बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले मे प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 28 अगस्त 2026 | दिन - शुक्रवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 212 | मूल्य - 5 रुपये

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शांति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुबेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविंदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
ज्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर, शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा live शहर बालाघाट

● गर्रा ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।

Hero BAJAJ HONDA TVS

मनीष वर्मा
मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

भाई और बहन के बीच स्नेह बंधन का पर्व रक्षाबंधन आज मनाया जायेगा धुमधाम से..

रक्षाबंधन पर नहीं है भद्रा या ग्रहण का साया.. - डॉ अरविन्द तिवारी ज्योतिषाचार्य

जगप्रेरणा बालाघाटं

भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व आज श्रावण शुक्ल पूर्णिमा संवत 2083 दिनांक 28 अगस्त 2026, शुक्रवार को उदया तिथि में पूरे दिन भर मनाया जाएगा।

बालाघाट के ज्योतिषाचार्य डॉ. अरविन्द तिवारी के अनुसार इस वर्ष भद्रा 27 अगस्त को ही समाप्त हो जाएगी, इसलिए रखबंधन के दिन भद्रा का साया नहीं है। शुक्रवार को प्रातः सूर्योदय से साढ़े चार घंटे तक चर, लाभ और अमृत के चौघड़िया में बाँध सकते है।

प्रातः 8.04 बजे से 11.22 तक लगने वाला चंद्रग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा इसलिए इसका भारत में कोई भी प्रभाव नहीं रहेगा। यह ग्रहण यूरोप, अफ्रीका, अमेरिका, तथा उसके आस पास के देशों में और प्रशांत महासागर, हिन्द महासागर तथा अटलांटिक महासागर में दिखाई देगा, जो अतिवर्षा और भूकंप का कारक है। श्री तिवारी ने बताया कि पूर्णिमा तिथि का समापन प्रातः 9.48 पर होगा, किन्तु उदया तिथि होने से दिन भर रक्षाबंधन पर्व मनाया जा सकता है। काल का चौघड़िया प्रातः 10.30 से 12 बजे तक रहेगा, इस अवधि में शुभ कार्य नहीं करें। स्थानीय सूर्योदय के अनुसार चौघड़िया के समय में वेलांतर सारणी के अनुसार संशोधन अवश्य करें। दोपहर में 12 से 1.30 बजे तक शुभ और सायंकाल 4.30 से 6 बजे तक चर चौघड़िया में भी बहने अपने प्यारे भाईयों को राखी बाँध सकती है।

महंगाई के खिलाफ बालाघाट में कांग्रेस का हल्लाबोल..

काली पुतली चौक से बस स्टैंड तक कांग्रेस ने जनसंवाद कर आम लोगों को बांटी शक्कर..

सरकार के खिलाफ किया पुतला दहन

जगप्रेरणा बालाघाट।

शक्कर की बढ़ती कीमतों और लगातार बढ़ रही महंगाई के विरोध में जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को काली पुतली चौक से बस स्टैंड तक जोरदार जनसंवाद एवं विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आम नागरिकों के बीच पहुंचकर उन्हें शक्कर वितरित की और बढ़ती कीमतों को लेकर उनकी प्रतिक्रियाएं जानीं। प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया गया।

कांग्रेस के इस अनोखे विरोध प्रदर्शन में कार्यकर्ता हाथों में शक्कर लेकर बाजार एवं सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचे और आम लोगों से सीधे संवाद किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शक्कर जैसी रोजमर्रा की जरूरत की वस्तु की बढ़ती कीमत का असर सीधे गरीब, मजदूर और मध्यमवर्गीय परिवारों की रसोई पर पड़ रहा है।

बोले संजय उईके..

जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उइके ने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और इसका सबसे ज्यादा असर गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के बढ़ते दामों ने परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल भाषण देने तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता के बीच जाकर उसकी वास्तविक परेशानी जानने और उसकी आवाज को शासन तक पहुंचाने का काम कर रही है। शक्कर वितरण के माध्यम से आम नागरिकों से उनकी प्रतिक्रिया लेना इसी जनसंवाद का हिस्सा है। उइके ने कहा कि सरकार को महंगाई पर तत्काल नियंत्रण करते हुए आम जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

बोले श्याम पंजवानी..

शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने कहा कि यह केवल प्रतीकात्मक प्रदर्शन नहीं, बल्कि आम जनता के साथ सीधा संवाद और महंगाई के खिलाफ जनआक्रोश का प्रदर्शन है। उन्होंने कहा, हम शक्कर बांटकर लोगों से पूछ रहे हैं कि बढ़ती कीमतों का असर उनके घर की रसोई पर कितना पड़ रहा है। जनता महंगाई से परेशान है। कांग्रेस जनता की आवाज बनकर सड़क पर संघर्ष करती रहेगी और सरकार से जवाब मांगेगी। उन्होंने कहा कि शक्कर सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर तत्काल नियंत्रण किया जाना चाहिए, ताकि आम परिवारों को राहत मिल सके।

काली पुतली से बस स्टैंड तक गूंजे विरोध के नारे

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काली पुतली चौक से बस स्टैंड क्षेत्र तक घूम-घूमकर आम नागरिकों से संवाद किया, शक्कर वितरित की और उनकी प्रतिक्रियाएं जानीं। इसके बाद सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया गया।

यह रहे उपस्थित..

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उइके, अनूप सिंह बैस, श्याम पंजवानी, शफक्त खान, अनिल बनोटे, अल्लाह रखा, दयाल वासनिक, जीतू बर्वे, शिवम शर्मा, राम सिंह भाटिया, शमीम सिद्दीकी, श्रीनिवास राव, कारो लीलहारे, श्रीकृष्णा डींगरू, अनिल सोनी, राजू यादव, मकसूद खान, डॉ. मुकेश वर्कड़े, केवल सिंह झरिया, अफरोज कुरैशी, संतोष भाई, सर आशीष शुक्ला, शानू राय, जुबैद अंसारी, विनोद बांधकर, दुर्गा बरकड़े, पंकज बौद्ध, प्रकाश पप्पू मदनकर सहित जिला एवं शहर कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

बैगा आदिवासी बच्चों की मौत मामले में निष्पक्ष जांच एवं जिम्मेदारो पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिये..

पवार समाज जिलाध्यक्ष विशाल बिसेन ने आदिवासी बच्चों की मौत पर जारी आदिवासी युवाओं की प्रदर्शन को दिया समर्थन..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बैगा आदिवासी बच्चों की असमय मौत के मामले में आदिवासी युवाओं द्वारा बालाघाट में जारी प्रदर्शन को उचित बताते हुए पंवार समाज जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन

एवं प्रदर्शन का समर्थन किया है। विशाल बिसेन ने अपने वक्तव्य में इस घटनाक्रम को हृदयविदारक और दुखद बताया है, उन्होंने कहा कि यह सिर्फ बैगा बच्चों की नहीं बल्कि बालाघाट जिले के बच्चों की असमय मौत का मामला है। इस दुखद घटनाक्रम को जाति समाज से ऊपर उठकर मानवीय मूल्यों के आधार पर देखना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम में सभी कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए और लापरवाह लोगों के खिलाफतत्काल कार्रवाई होनी चाहिए, मृत बच्चों की मौत के कारणों की जिले के बाहर से अनुभवी चिकित्सकों को लाकर जांच होनी चाहिए। पूरे मामले में पूर्व न्यायाधीश द्वारा ज्यूडिशियल जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज उनके द्वारा इस मामले में आंदोलनरत युवाओं को सामाजिक स्तर पर पूर्ण समर्थन किया जा रहा है। उनके साथ समाज के पूर्व अध्यक्ष फत्तुलाल बिसेन, जिला संरक्षक अधिवक्ता निखिल गौतम, जिला महासचिव डॉ राजेंद्र एल कटरे, जिला संवाद सचिव नरेंद्र पटले, युवा सह सचिव सुशील राहंगडाले एवं अन्य समाज जन उपस्थित रहे।

मदर टेरेसा जयंती पर राजेश मरार के नेतृत्व में स्वैच्छिक रक्तदान कर लिया गया जरुरतमंदो की मदद का संकल्प..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मदर टेरेसा सेवा समिति द्वारा मदर टेरेसा की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 27 अगस्त को जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ

मदर टेरेसा के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं सहित करीब 15 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की मदद का संकल्प लिया। समिति के अध्यक्ष राजेश मरार ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद मरीज के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा समय-समय पर गरीब, असहाय और पीड़ित लोगों की सेवा के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती हैं। उन्होंने बताया कि मदर टेरेसा के सेवा और मानवता के कार्यों से प्रेरित होकर समिति द्वारा करीब 22 वर्ष पहले रक्तदान कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। यह सेवा कार्य लगातार जारी है और आने वाले समय में भी रक्तदान सहित जनसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा। मदर टेरेसा का जन्म 26 अगस्त 1910 को हुआ था। उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीब, असहाय, बीमार और जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया।

भारत में विशेष रूप से कोलकाता में उन्होंने मानव सेवा का व्यापक कार्य किया। उनके सेवा कार्यों के लिए वर्ष 1979 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी करुणा, सेवा और मानवता का संदेश आज भी लोगों को समाजसेवा के लिए प्रेरित करता है। शिविर के दौरान समिति के कार्यकर्ताओं ने रक्तदान को लेकर लोगों को जागरूक किया और भविष्य में भी इसी तरह रक्तदान एवं जनसेवा के कार्यों को जारी रखने का संकल्प दोहराया।

हंगामे के साथ बालाघाट नगर पालिका परिषद की बैठक संपन्न, विकास का रोडमैप किया गया तैयार..

जगप्रेरणा बालाघाट।

गुरुवार 28 अगस्त को एक बार फिर बालाघाट नगर पालिका परिषद की बैठक संपन्न हुई, जिसमें सत्तापक्ष के ही उन पार्षदों ने फिर एक बार हंगामा किया, जिन्होंने गत बैठकों में अनेक सवाल खड़े किय। सत्तापक्ष के पार्षदों में सुधीर चिले, राज हरिनखेडे, श्वेता सौरभ जैन एवं अन्य विपक्षी पार्षदों ने भी अपने वार्डों में काम न होने, बैठकों में सवालों के जवाब न मिलने संहित अनेक मुद्दों पर नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर को घेरने का पूरा प्रयास किया, वहीं बैठक में इन परिस्थितियों के बावजूद अध्यक्ष भारती ठाकुर अपने अंदाज में पार्षदों के जवाब देने के साथ ही विकास को गति देने प्रतिबद्ध दिखाई दी।

बैठक में 14 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए जिसमें नगर की स्वच्छता, जलभराव, जल प्रदाय, सुगम आवागमन, बाजारों के व्यवस्थित विकास तथा केंद्र एवं राज्य शासन की विकास योजनाओं को लेकर परिषद सदस्यों ने अपने सुझाव रखे। विमर्श के बाद प्रस्तावों पर निर्णय लेते हुए परिषद द्वारा सहमति प्रदान की गई। बैठक में भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप ठोस अपशिष्ट प्रबंधन 2026 के तहत नगर के ठोस कचरे का संग्रहण, परिवहन तथा मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर पर सॉलिड वेस्ट की प्रोसेसिंग का कार्य निविदा के आधार पर कराए जाने का प्रस्ताव रखा गया। इसकी निविदा लागत 3 करोड़ 92 लाख 25 हजार 432 रुपये जीएसटी सहित है। द्वितीय निविदा में तीन निविदाकारों ने भाग लिया, जिनमें दो निविदाकार पात्र पाए गए तथा नियमानुसार पात्र एकल निविदा को खोला गया। एकल निविदा को लेकर कुछ परिषद सदस्यों द्वारा आपत्ति एवं अपने सुझाव भी रखे गए परिषद द्वारा उसे स्वीकृति प्रदान की गई। परिषद सदस्यों ने कहा कि शहर की स्वच्छता एवं सुंदरता से जुड़ा यह महत्वपूर्ण कार्य है और ठेका पद्धति से सफाई व्यवस्था को और अधिक गति एवं प्रभावशीलता मिलने की संभावना है। विशाल मंगलानी ने झूलेलाल मार्केट (गुजरी चौक) के व्यापारियों की पट्टों की लंबित मांग को दोहराया और इसके शीघ्र निराकरण की बात कही। कांग्रेस पार्षद आशुतोष डहरवाल ने विधायक और अध्यक्ष के निर्देशों के बावजूद इंजीनियरों और सुपरवाइजरों द्वारा काम न करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि वार्ड की टूटी पुलिया के सुधार की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। डहरवाल ने यह भी बताया कि वार्ड में बिजली सुपरवाइजर न होने के कारण उन्हें रात में घूमकर बंद खंभों की बिजली देखनी पड़ती है।

भारती ठाकुर ने दी जानकारी..

नपा अध्यक्ष भारती ठाकुर ने बताया कि नगर पालिका द्वारा निर्मित एवं निर्माणाधीन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दुकानों के आवंटन को लेकर भी चर्चा हुई। म्युनिसिपल स्कूल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दुकानों के लिए आमंत्रित निविदा में एकल निविदा पर भी चर्चा हुई, वहीं गुजरी बाजार स्थित तरंग सब्जी मार्केट कॉम्प्लेक्स एवं अन्य दुकानों की छत की नीलामी के संबंध में प्रस्ताव रखा गया। गुजरी बाजार को व्यवस्थित करने तथा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर भी सदस्यों ने अपने सुझाव रखे। नगरपालिका द्वारा गीता भवन निर्माण के लिए तैयार की जा रही डीपीआर तथा प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भी परिषद के समक्ष रखा गया। इस पर आवश्यक चर्चा एवं सुझाव दिए गए। नगरपालिका प्रबंधन की भूमि पर विद्यालय परिसरों के उपयोग के संबंध में भी चर्चा हुई। परिषद सदस्यों ने सुझाव दिया कि जो भूमि शासन की है, उसे नगरपालिका के अधीन किए जाने की प्रक्रिया की जाए। वही सभी खाली हुऐ स्कूलों का अन्च शैक्षणिक कार्य, सांस्कृतिक प्रयोजन व व्यवसायिक उपयोग किये जाने हेतु चर्चा की गई ।

बालाघाट में स्वर्णकार समाज भवन में श्रद्धापूर्वक मनाई गई संत शिरोमणि नरहरि महाराज की जयंती..

जगप्रेरणा बालाघाट। संत शिरोमणि नरहरि महाराज की जन्म जयंती 26 अगस्त 2026, बुधवार को स्वर्णकार समाज जिला बालाघाट भवन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर मनाई गई। श्रावण शुक्ल त्रयोदशी के पावन अवसर पर आयोजित संत शिरोमणि नरहरि महाराज की जयंती कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया गया। इस दौरान संत नरहरि महाराज की पूजा-अर्चना की गई। पूजा के पश्चात सामाजिक मुद्दों को लेकर अल्पकालीन बैठक का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला महिला एवं जिला युवा कार्यकारिणी, समस्त ब्लॉक कार्यकारिणी, जिला प्रबंध कार्यकारिणी तथा समस्त कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। स्वर्णकार समाज के जिलाध्यक्ष अशोक फाये ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन स्वर्णकार भवन, भटेरा चौकी, जिला बालाघाट में संपन्न हुआ।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

विज्ञापन आमंत्रित है..
मो. हासिब खान
जिला सिवनी
संपर्क - मो. 7898530101

जग प्रेरणा live जिला सिवनी
बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

महंगाई को लेकर जिला एवं नगर कांग्रेस कमेटी ने किया विरोध प्रदर्शन

जगप्रेरणा सिवनी।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशन पर जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी द्वारा समुचे देश में बढ़ी हुई महंगाई को लेकर आज जिला एवं नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया।

विरोध स्वरूप जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री नरेश मरावी द्वारा लोगो के बीच शक्कर बाटकर महंगाई का विरोध किया गया, नगरपालिका चौक स्थित पुलिस पेट्रोल पम्प पर कांग्रेस आंदोलनकारियों पेट्रोल में एथनॉल मिलाए जाने के फ्लस्वरूप गाड़ियों के खराब होने के विरूद्ध नारे लगाए गए। पुलिस पेट्रोल पम्प से कांग्रेस की रैली बुधवारी बाजार में पंहुचकर बाजार में उपस्थित जनसमुह से शक्कर तथा अन्य वस्तुओं के महंगे होने पर उनके विचार जाने, तत्पश्चात नगरपालिका चौक पंहुचकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री नरेश मरावी ने उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में जनता चौतरफा महंगाई की मार झेल रही है। आज शक्कर की कीमत 70 रू.प्रति किलो वही, सरसो के तेल की कीमत 225 रू.प्रतिकिलो वही दूसरी तरफ खाने के तेलो में बेतहाशा वृद्धि हुई है। प्याज भी महंगाई की चरम सीमा पर है अपने परिवार को लाभ पंहुचाने के लिए भाजपा नेताओं ने पेट्रोल जैसे आवश्यक वस्तुओं पर 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाकर वाहन मालिको के वाहनो पर हमला बोल दिया है आज गाडियों के इंजन एथनॉल मिलाने के कारण खराब हो रहें है। जहॉ एक ओर जनता को एथनॉल मिला हुआ महंगा पेट्रओल वाहनों में डालना पड़ रहा है वही वाहनों के रखरखाव का खर्चा लगातार बढ़ता जा रहा है। देश की जनता को भाजपा की सरकार दोनो हाथों से लूट रही है। मध्यप्रदेश में भाजपा की जनविरोधी नीतियों के कारण आम आदमी लगातार परेशान है प्रदेश की जनता को बढ़े हुए बिजली बिलो का भुगतान करना पड़ रहा हैं जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय लोग परेशान है श्री मरावी ने कहा कि यदि प्रदेश और केन्द्र की सरकार महंगाई को नियंत्रित नही करती तो कांग्रेस इससे भी बड़ा आंदोलन करेंगी। आंदोलन में सुरेन्द्र करोसिया, ब्रजेशसिंह लल्लू बघेल, जेपीएस तिवारी, यशपाल भलावी, प्रकाशसूर्यवंशी, शिव सनोडिया, रंजीत यादव, अतुलचंद मालू, विष्णु करोसिया, आबिद हुसैन, राजेश मानाठाकुर, शिवदीप डहेरिया, राजा मुबीन खान, तनवीर अहमद, विधानसभा प्रभारी देवेन्द्र पटैल, राजिक अकील, उमेश चक्रवर्ती, आरिफसफरी, मोहनसिंह ठाकुर, समीर खान, राजू सोडिया, किशोरी कुंजाम, सलाम कुरैशी, सुमित मिश्रा, नन्दू यादव, नब्बू भाई, तौशिर खान, पंकज बाउसकर, छोटूराम उइके, गणेश भगत, सुजीत गोदरे, महमूद भाई, मोहसिन खान सहित बडी संख्या में कांग्रेस जनो की उपस्थिति रही।

फाइनल में सिवनी ने इंदौर को एक गोल से हराया, हार जीत नहीं खेल महत्वपूर्ण है : गौतम

जगप्रेरणा सिवनी।

राज्य स्तरीय नेहरू कहां की प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय मेजर ध्यानचंद हॉकी मैदान एस्टौटफमें किया गया।

फाइनल मैच का आयोजन 17 वर्षीय खिलाड़ी इंदौर एवं सिवनी की कालपी टीम के मध्य खेला गया जिसमें शिवानी ने इंदौर को 0,1 से हराया। समापन अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेश गौतम प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय सिवनी एवं जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष धन्नालाल गौर विधायक प्रतिनिधि मोनू मिश्रा की उपस्थिति में किया गया इस अवसर पर तिथि श्री गौतम ने कहा कि खेल के दौरान ह हार जीत महत्वपूर्ण नहीं होती बल्कि खेल में हमें एक दूसरे खिलाड़ी से सीखने का अवसर मिलता है

और हम उन खिलाड़ियों से सीख लेकर अपने खेल में निखार ला सकते हैं बेहतर खिलाड़ी वही होता है जो अपने खेल के साथ-साथ दूसरे खिलाड़ी का भी सम्मान करें और अपने लक्ष्य को लेकर चले तभी उसे सफलता मिलती है। इस अवसर पर जिला हॉकी संघ के जिला अध्यक्ष धन्नालाल गौर ने कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 10 संभागों ने शामिल होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया किसी भी कार्यक्रम के लिए तैयारी की आवश्यकता होती है जिसमें मेडिकल ऑफिसर से लेकर विभाग के प्रमुख तक की विशेष भूमिका होती है निश्चित ही यहां पर आकर आपको एक नया अनुभव हुआ होगा जो आपको आगे प्रतियोगिताओं में काम आएगा।

जिला शिक्षा विभाग की खेल प्रमुख जस्सी थॉमस ने कहा कि इस आयोजन में जनजाति विभाग एवं खेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है खेल को जीवन बनाने के लिए इस प्रतियोगिता को आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर विभाग के देवेंद्र ठाकुर, अनिल राजपूत रशिद कुरैशी, अनुराग तिवारी शैलेंद्र साहू सहित अनेक लोग उपस्थित रहे आयोजन को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी अविनाश दीक्षित एवं जनजाति विभाग के संचालक रामजी लाल मीणा का मार्गदर्शन मिलता रहा आयोजन में जनजाति विभाग के खेल प्रभारी एफइककका, नागेंद्र सहित समस्त स्टाफका सहयोग रहा।

बाहर से आए लगभग 300 खिलाड़ियों के रहने एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई खिलाड़ियों के रहने की व्यवस्था नेताजी सुभाष चंद्र बोस हायर सेकेंडरी शाला सिवनी महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या शाला सिवनी, मैं की गई सभी खिलाड़ियों को आयोजन समिति द्वारा मोमेंटो एवं स्मृति चंद्र देकर सम्मानित किया गया।

राशन के चावल की गुणवत्ता पर सवाल, ग्रामीणों ने लेने से किया इनकार..

जगप्रेरणा घंसौर।

ग्राम पंचायत धनवाही के ग्राम डुगरिया में राशन वितरण व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी सामने आई है। ग्रामीणों ने उचित मूल्य की दुकान से वितरित किए जा रहे चावल की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए राशन लेने से इनकार कर दिया।

मामले को लेकर ग्रामीणों ने संबंधित जिम्मेदारों से जांच कर कार्रवाई की मांग उठाई है। इस घटनाक्रम ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गरीब परिवारों को उपलब्ध कराए जा रहे खाद्यान्न की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि राशन दुकान से मिलने वाले चावल की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है। चावल की स्थिति को लेकर ग्रामीणों में असंतोष इतना बढ़ गया कि उन्होंने खाद्यान्न लेने के बजाय कथित खराब गुणवत्ता के चावल को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि राशन गरीब परिवारों की जरूरत का महत्वपूर्ण सहारा है, ऐसे में यदि खाद्यान्न की गुणवत्ता ही सवालों के घेरे में हो तो शासन की पूरी वितरण व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

राशन दुकान पर पहुंचा खाद्यान्न, गुणवत्ता ने खड़े किए सवाल

डुगरिया में सामने आए इस मामले ने यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि राशन दुकानों तक पहुंचने वाले खाद्यान्न की गुणवत्ता की जांच किस स्तर पर की जाती है। शासन द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से पात्र परिवारों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। ऐसे में ग्रामीणों द्वारा चावल की गुणवत्ता को लेकर आपत्ति दर्ज कराना प्रशासन के लिए जांच का विषय बन गया है।

ग्रामीणों की दो टूक—पहले जांच, फिर वितरण..

जन चर्चा तो यही चल रही है कि अच्छी क्वालिटी का चावल जिम्मेदारों द्वारा बेच दिया जाता है एवं घटिया किस्म का चावल वितरण किया जाता है ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें ऐसा खाद्यान्न नहीं चाहिए जो खाने लायक ना हो। ग्रामीणों ने कथित खराब गुणवत्ता वाले चावल का वितरण रोककर उसकी जांच कराने तथा गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरने वाला खाद्यान्न उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि राशन व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही का सीधा असर गरीब और जरूरतमंद परिवारों पर पड़ता है।

जिम्मेदार विभाग की निगरानी पर भी सवाल

मामले के सामने आने के बाद खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि ग्रामीणों की शिकायत सही पाई जाती है तो यह जांच जरूरी होगी कि संबंधित खाद्यान्न किस स्तर से जारी हुआ, उसकी गुणवत्ता जांच कब और कैसे की गई तथा वितरण से पहले स्थानीय स्तर पर उसका सत्यापन हुआ या नहीं। ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन मौके पर खाद्यान्न के नमूने की जांच कराकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करे। साथ ही यदि जांच में गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो जिम्मेदारी तय करते हुए संबंधित लोगों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

अब देखना यह है कि डुगरिया के ग्रामीणों की शिकायत पर प्रशासन कितनी गंभीरता दिखाता है और राशन के चावल की गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों का जवाब जांच के बाद सामने आता है या मामला कागजी कार्रवाई तक सीमित रह जाता है। फ्लिहाल ग्रामीणों के राशन लेने से इनकार करने की घटना ने धनवाही पंचायत की राशन वितरण व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है

बोले सीईओ, दिलीप डेहरिया..

चावल की गुणवत्ता पर शिकायत मिली है तो जांच कराई जाएगी। ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि जांच में चावल मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया तो संबंधित स्तर पर जिम्मेदारी तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बोले डी.आर. सहकारिता विभाग..

'डुगरिया में राशन के चावल की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों द्वारा आपत्ति दर्ज कराई गई है तो मामले को गंभीरता से लिया जाएगा। खाद्यान्न का नियमानुसार नमूना लेकर गुणवत्ता की जांच कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी। यदि चावल गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरता है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली पुलिस की नशे के विरुद्ध लगातार कार्यवाही

777 ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले में मादक पदार्थो की तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण लालचंदानी द्वारा जिला स्तर पर विशेष टीम का गठन किया गया है।

उक्त टीम द्वारा अति. पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री चंचलेश मरकाम के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 27/08/2026 को थाना प्रभारी कोतवाली श्री सतीश तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति रेलवे स्टेशन रोड, तिलक वार्ड सिवनी में अपने घर के सामने अवैध गांजा बेचने के इरादे से ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से हरे रंग की थैली के अंदर सफेद पन्नी में रखा 777 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। गांजा रखने के संबंध में आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। आरोपी वेदप्रकाश झारिया पिता दुखीराम झारिया, उम्र 57 वर्ष, निवासी रेलवे स्टेशन रोड, तिलक वार्ड, सिवनी को गिरफ्तार कर थाना कोतवाली में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी से गांजा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी

वेदप्रकाश झारिया पिता दुखीराम झारिया, उम्र 57 वर्ष, निवासी रेलवे स्टेशन रोड, तिलक वार्ड, सिवनी। **जप्त मशरूका** -777 ग्राम गांजा, कीमती 8,547/- रुपये।

सराहनीय भूमिका

थाना प्रभारी कोतवाली श्री सतीश तिवारी, सउनि. राजेन्द्र कुमार नागवंशी, प्र.आर. मनोज मरावी, प्र.आर. प्रदीप चौधरी, प्र.आर. संतोष साहू, आर. प्रतीक बघेल, आर. कपिल कटरे, म.आर. दीपाली, म.आर. ममता गजभिये।

महंगाई, यूरिया संकट और बस किराया वृद्धि के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन..

जगप्रेरणा छपारा।

बढ़ती महंगाई, यूरिया संकट और यात्री बसों के किराए में हुई वृद्धि के विरोध में गुरुवार 27 अगस्त को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी छपारा द्वारा नगर के बस स्टैंड परिसर में सांकेतिक

विरोध प्रदर्शन किया गया। दोपहर करीब 2 बजे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गुलाब साहू के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एकत्रित हुए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रोजमर्रा की उपयोगी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों, किसानों को हो रही यूरिया की समस्या तथा यात्री बसों के बढ़े किराए को लेकर विरोध जताया। कार्यकर्ताओं ने इन मुद्दों पर शासन-प्रशासन से आवश्यक कदम उठाने की मांग की। इस अवसर पर पूर्व विधायक रमेश चंद जैन, पूर्व मंडी अध्यक्ष रमेश चौहान, चमारी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रभात ठाकुर, छपारा नगर अध्यक्ष ठाकुर सुरजीत सिंह, ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री चंद्रशेखर श्रीवास्तव, रानू जैन, बखारी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेश परते सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इनमें अंकित गोलू ठाकुर, श्याम सुंदर अवधिया, प्रदीप श्रीवास्तव, अंकुर सेंगर, नितिन जैन, राजकांत सिंह ठाकुर, राघवेंद्र सिंह बघेल, सतेंद्र ठाकुर, अम्बर पॉटर, कासिम अंसारी, साजिद खान, नयन अवधिया, कन्हैया डेहरिया, धीरन सिंह उइके, घनश्याम सल्लाम, सुनील उइके, विनोद गज्जाम, जानकी ऊटी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में सहभागिता की।

निजी स्कूलों की 10 सूत्रीय मांगों पर आंदोलन की रणनीति बनेगी, 30 को जिला स्तरीय बैठक

जगप्रेरणा सिवनी।

निजी स्कूलों से जुड़ी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अब प्रदेशव्यापी आंदोलन की तैयारी की जा रही है। मध्यप्रदेश प्राइवेट स्कूल वेलफेयर संचालक मंच की 25 अगस्त

को हुई ऑनलाइन बैठक में आंदोलन की रणनीति तैयार करने का निर्णय लिया गया। मंच द्वारा 5 अगस्त को राज्यपाल, मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री एवं राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल को ज्ञापन भेजकर 25 अगस्त तक मांगों के निराकरण की मांग की गई थी। निर्धारित समय तक शासन की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं मिलने के बाद अब आंदोलन की आगामी रूपरेखा तैयार की जाएगी।

इसी सिलसिले में 30 अगस्त को दोपहर 12 बजे आशीर्वाद पैलेस, ज्यारत नाका के पास सिवनी में जिला स्तरीय बैठक रखी गई है। बैठक में आंदोलन की रणनीति, संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा होगी। बैठक में सिवनी जिले के सभी प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन, निजी विद्यालय संचालक संगठनों एवं अन्य संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। संगठन ने सभी से निजी स्कूलों के हित में एकजुट होकर बैठक में शामिल होने की अपील की है।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें मो. 9329033433

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS
मिलने का समय
सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध
पता- बड़ी ज्यारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वार्ड सिवनी
मो.- 8817448039

TYRE WORLD
(अपोलो टायर्स के अधिकृत विक्रेता)
★ टायर ★ अलाईनमेन्ट
★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन
हिंदुस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया
79991 54494, 98233 95921

Associate Dealer
रुसिया मोटर्स हीरो
वारासिवनी Hero
सेल्स । सर्विस । स्पेयर
मो.- 9425822392
5000/- में गाड़ी ले जाए।
पता - मेन रोड, वारा, वारासिवनी

जग प्रेरणा
वारासिवनी, कटंगी, खैरलांजी
डोंगरमाली, रामपायली, खैरलांजी, कोचेवाही, बुदबुदा, तिरोड़ी, बोनकट्टा, महकेपार..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बालाघाट में परंपरागत स्वरुप में मनाया गया केरल का लोकप्रिय ओणम पर्व..

जगप्रेरणा वारासिवनी।

आज ओणम के पावन अवसर पर पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी बालाघाट में भव्य ओणम समारोह का आयोजन किया गया। नवोदय विद्यालय समिति की माइग्रेशन नीति के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय,

बालाघाट का संबंध जवाहर नवोदय विद्यालय, पथानामथिट्टा, केरल से है। इसी सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अंतर्गत विद्यालय में प्रत्येक वर्ष ओणम पर्व उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। विद्यालय में ओणम पर्व पर आयोजित कार्यक्रम का सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफसदस्यों ने भरपूर आनंद लिया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री संदीप कुमार जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए ओणम पर्व के सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से राजा महाबली के जीवन से दानशीलता, निस्वार्थता और भक्ति जैसे गुणों को सीखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती अम्मू वी. नाथ, टीजीटी मलयालम ने आभार व्यक्त किया।

पारंपरिक ओणम भोज का लिया स्वाद..

आज प्रातः केरल से आए माइग्रेशन विद्यार्थियों ने कला शिक्षक श्री के.एल. निखारे के मार्गदर्शन में ओणम के अवसर पर एक सुंदर और विशाल रंगोली (पूक्कलम) तैयार की। विद्यार्थियों ने मेस कर्मचारियों तथा दोनों मलयालम शिक्षकों के सहयोग से विद्यालय की मेस में पारंपरिक ओणम भोज तैयार किया। डॉ. बी. सिंह, माइग्रेशन प्रभारी तथा दोनों मलयालम शिक्षकों अम्मू वी नाथ और श्रीमती निधिषा एस कुमार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने दोपहर के भोजन के समय सभी को पारंपरिक भोज परोसा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए संपन्न..

ओणम पर्व के अवसर पर सायंकाल एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के सम्माननीय प्राचार्य संदीप जैन द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। माइग्रेशन विद्यार्थियों ने अपनी स्थानीय पारंपरिक वेशभूषा में धार्मिक एवं लोक नृत्यों की सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम का निर्देशन संगीत शिक्षक उमेश नागपुरे के मार्गदर्शन में किया गया। विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक मोहिनीअट्टम नृत्य भी प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के उप-प्राचार्य श्री रणबीर सिंह, श्री भोजराम पटेल, श्री डी.पी. कटरे, श्री ओम खोंड, श्री जी.एस. पारधी, श्रीमती यशोधरा सिंह, श्री दीपेश जैन, श्री के.एल. निखारे, श्री उमेश नागपुरे, श्री अविनाश सिंह, श्री विवेक पटेल, श्री प्रशांत बी. कापटे, श्रीमती सुनीता कुमारी, श्रीमती रजनी बिसेन, श्रीमती सुभांगी, श्री अंकुर दुबे, श्री अंशुमान त्रिपाठी सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे। ओणम समारोह ने विद्यालय में विविध संस्कृतियों के बीच एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भावना को और मजबूत किया।

ओणम पर्व का यह है सांस्कृतिक एवं पारंपरिक महत्व..

गौरतलब है कि ओणम केरल का सबसे प्रमुख और लोकप्रिय त्योहार है। यह केवल फसल का त्योहार ही नहीं, बल्कि एक ऐसा सांस्कृतिक उत्सव भी है, जो पूरे विश्व में रहने वाले मलयाली समुदाय को एकता के सूत्र में बांधता है। ओणम को राजा महाबली के वार्षिक आगमन की स्मृति में मनाया जाता है। राजा महाबली का शासन समानता, समृद्धि, न्याय और खुशहाली के स्वर्ण युग के रूप में याद किया जाता है। यह पर्व दस दिनों तक मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत अथम से होती है और समापन सबसे महत्वपूर्ण दिन थिरुवोनम पर होता है। इनमें प्रथम ओणम और थिरुवोनम का विशेष महत्व है। ओणम का संबंध राजा महाबली, जिन्हें मावेली भी कहा जाता है, की पौराणिक कथा से है। हिंदू पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महाबली केरल के एक दयालु और न्यायप्रिय राजा थे।

उनका राज्य समृद्धि से भरपूर था, जहाँ लोग बिना अपराध और असमानता के सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करते थे। महाबली की बढ़ती लोकप्रियता और शक्ति से देवता चिंतित हो गए। भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण कर एक अनुष्ठान के दौरान राजा महाबली के पास जाकर उनसे अपने तीन पग के बराबर भूमि मांगी। उदार राजा ने उनकी मांग स्वीकार कर ली। इसके बाद वामन ने अपना विराट रूप धारण कर दो पगों में स्वर्ग और पृथ्वी को नाप लिया। तीसरे पग के लिए महाबली ने अपना सिर प्रस्तुत कर दिया और भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल लोक भेज दिया।

राजा महाबली की भक्ति, त्याग और निस्वार्थ भाव से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें वरदान दिया कि वे वर्ष में एक बार अपनी प्रजा से मिलने के लिए पृथ्वी पर आ सकेंगे।राजा महाबली के इसी वार्षिक आगमन की खुशी में ओणम मनाया जाता है।

'सरकार की आमद मरहबा' 'लबैक या रसूलल्लाह', इस्लामी नारो की सदाओ से गुंजा नगर..

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद मिलादुन्नबी का पर्व, पैग़ंबरे इस्लाम की यौमे पैदाईश पर विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

शानो शौकत के साथ निकाला गया जुलूस ए मोहम्मदी

जगप्रेरणा कटंगी।

पैग़ंबरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाईश पर मनाया जाने वाला पर्व, जश्ने ईद मिलादुन्नबी बुधवार को नगर मुख्यालय सहित तिरोडी व ग्रामीण अंचलों में मुस्लिम समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

जहां दिन भर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन हुए। मुस्लिम धर्मावलंबियों के सबसे बड़े पर्व में अल सुबह से ही इबादत का दौर शुरू हो गया। जहा घर घर खीर सहित अन्य मीठे पकवान बनाकर फातिहा दी गई।वही लोगो ने एक दूसरे को मिठाई बाटकर ईदमिलादुन्नबी नबी की मुबारकबाद दी।इसी कड़ी में हर साल की तरह इस साल भी नगर में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व पूर्ण अक़ीदतो धार्मिक विधि-विधानो और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर सुबह 10 बजे जामा मस्जिद में परचम कुशाई(झंडा फहराया) कि गई।जहां जोहर नमाज बाद सलातो सलाम के बाद करीब दोपहर 2 बजे इस्लामी नारो के साथ जुलूस ए मोहम्मदी शहर गस्त के लिए शानो शौकत के साथ रवाना हुआ। जहा जुलुस में शामिल गुलामे मुस्तफ़ाओ ने सरकार की आमद मरहबा÷ ÷लबैक या रसूलल्लाह÷ की सदाए बुलन्द की।

अमनो अमान के संदेश के साथ रवाना हुआ जुलूस

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर हर साल की तरह इस साल भी नगर की जामा मस्जिद से जुलूस ए मोहम्मदी निकाला गया। यह जुलूस जामा मस्जिद से कहारी मोहल्ला होता हुआ सिनेमा चौक , बस स्टैंड से जामा मस्जिद में रूका ।शाम को तुरकर लान में तकरीर के माध्यम से सरकारें दो आलम की शान और उम्मते मुस्लिमा के बारे में बताया गया ।जहां सलातो सलाम का नजराना पेश कर ,देश में अमन, चैन ,शांति और आपसी भाईचारे की दुआएं कर जुलूस ए मोहम्मदी का समापन किया गया।

जुलूस का जगह जगह हुआ स्वागत, मरहबा के नारों से गुंजा नगर

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर निकाले गए इस जुलूस ए मोहम्मदी का जगह जगह स्वागत किया गया। वही जगह जगह मिठाइयां,,शरबत , सहित अन्य सामग्रियों का वितरण कर लोगो ने एक दूसरे को ईदमिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी।इस दौरान जुलूस में शामिल धर्मालंबियों द्वारा लगाए गए नारे÷ सरकार की आमद मरहबा÷ ÷नारा ए तकबीर -अल्लाहो अकबर ÷ सहित अन्य इलामी नारो से शहर गूंज उठा।जहां जुलूस में शामिल धर्मालंबियों के साथ साथ नात खानों ने नात ए रसूल, सलातो सलाम सहित अन्य इस्लामी तरानों की प्रस्तुतियां दी,वही बच्चे व युवा हाथो में हरे झंडे लिए बुलंद नारो के साथ इस्लामी तरानों में मनमुग्द नजर आए, इसके अलावा जुलूस में शामिल अन्य लोगो को दरूद ए मोहम्मदी का जिक्र करते हुए देखा गया।जिन्होंने पैग़ंबरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश पर अपनी खुशी का इज़हार करते हुए मोहम्मद साहब के पैगाम को जन जन तक पहुँचाया।

सेलोटपार में मातृशक्ति ने संभाली कावड़ यात्रा की कमान, गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे..

भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा ग्राम, श्रद्धालुओं ने किया भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक..

जगप्रेरणा वारासिवनी।

खैरलांजी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सेलवटपार में बुधवार को असीम श्रद्धा, धार्मिक उत्साह और अटूट भक्ति के साथ भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ।

इस वर्ष की कावड़ यात्रा की सबसे अद्वितीय और सराहनीय बात यह रही कि पूरे कार्यक्रम का सफल संयोजन, कमान और नेतृत्व गांव की मातृशक्ति यानी समस्त महिलाओं एवं बहनों के द्वारा किया गया।

कावड़ यात्रा का शुभारंभ सुबह 10 बजे भक्तिमय और ऊर्जावान माहौल में हुआ। यात्रा की शुरुआत गांव के आदिवासी टोला से हुई, जहां सुबह से ही बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष, वरिष्ठजन और बच्चे एकत्रित होने लगे थे। श्रद्धालुओं ने पूर्ण विधि-विधान से कावड़ में पवित्र जल भरकर यात्रा का आगाज किया।

यात्रा में सुरक्षा और उत्साह का अद्भुत मेल देखने को मिला। डीजे पर बज रहे भगवान भोलेनाथ के सुमधुर भक्ति गीतों और बोल बम व हर-हर महादेव के गगनभेदी जयकारों के साथ श्रद्धालु रास्ते भर झूमते-नाचते नजर आए। यात्रा के दौरान सजाई गई भव्य और आकर्षक झांकियां पूरे गांव के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी रहीं।

आदिवासी टोला से प्रारंभ होकर यह यात्रा गांव के बीच टोला और मुख्य बस्ती क्षेत्र से गुजरी। पूरे भ्रमण मार्ग के दौरान जगह-जगह ग्रामीणों और श्रद्धालुओं के द्वारा कावड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा एवं जल पिलाकर स्वागत किया गया। गांव के युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने भी महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए इस पावन आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और यात्रा की शोभा बढ़ाई।

पूरे क्षेत्र का भ्रमण करने के पश्चात कावड़ यात्रा गांव स्थित भगवान भोलेनाथ के प्रांगण पहुंची। मंदिर प्रांगण में यात्रा का औपचारिक समापन हुआ, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने पूर्ण भक्तिभाव, नियम और निष्ठा के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने महादेव से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जन कल्याण की मंगल कामना की। दिनभर चले इस आयोजन से संपूर्ण सेलवटपार ग्राम में भक्तिमय और सकारात्मक वातावरण बना रहा। जलाभिषेक के पश्चात श्रद्धालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किया।

मरहबा की आमद मरहबा!

शहर में शान से निकला जुलूस - ए - मोहम्मदी.. हाजियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं पत्रकारों का किया गया सम्मान

जगप्रेरणा वारासिवनी।

पैगंबर-ए-इस्लाम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की आमद पर नगर में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा अनेक कार्यक्रमों के साथ जुलूस निकालकर नगर भ्रमण किया गया। जुलूस का जगह-जगह इस्तकबाल शरबत पिलाकर एवं खजूर खिलाकर किया गया।

वहीं कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों, पत्रकारों एवं हाजियों का स्वागत किया गया। आज मुस्लिम कैलेंडर के अनुसार 12 रबी-उल-अव्वल शरीफ को हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की आमद इस दुनिया में हुई थी, वहीं इसी दिन वे इस दुनिया से वफात भी हुए थे। इस पाक व मुबारक मौके पर मुस्लिम भाइयों के द्वारा ईद-मिलादुन्नबी के रूप में सारी दुनिया में मनाया जाता है। नगर में आज इस मुबारक दिन पर मुस्लिम धर्मावलंबियों के द्वारा अनेक कार्यक्रम किए गए। जिसमें बाद नमाज़-ए-फज्र दुरूद ख्वानी, कुरआन ख्वानी व परचमकुशाई के बाद सुबह 9 बजे जामा मस्जिद में हाजियों का इस्तकबाल किया गया।

वहीं जुलूस-ए-मोहम्मदी जामा मस्जिद से निकलकर तमाम शहर का गश्त करता हुआ वापस जामा मस्जिद पहुंचा। जुलूस-ए-मोहम्मदी का फूलों की पंखुड़ियां उड़ाकर इस्तकबाल नगर के अनेक चौक-चौराहों पर किया गया।

सदर-ए-जामा मस्जिद इकबाल खान ने जानकारी देते हुए बताया कि पैगंबर-ए-इस्लाम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की आमद के इस पाक एवं मुबारक मौके पर सीरत-उन-नबी कमेटी जामा मस्जिद के द्वारा जामा मस्जिद वारासिवनी ग्राउंड में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान सुबह नमाज़ अदा करने के उपरांत हाजियों का स्वागत करने के बाद जुलूस नगर में निकाला गया, जिसने पूरे नगर का भ्रमण किया और जिसका समापन जामा मस्जिद में हुआ। वहां पर नमाज़ अदा कर आम लंगर आयोजित किया गया।

'हुज़ूर की आमद मरहबा' के नारों से गूंजा नगर

यह जुलूस वापस सीधे दीनदयाल चौक, बस स्टैंड, जयस्तंभ चौक, नेहरू चौक से कटंगी रोड सब्जी बाजार होते हुए वार्ड नं. 9, 10, 11, 12, 13 से होकर जामा मस्जिद पहुंचा। इस जुलूस-ए-मोहम्मदी में ÷हुजूर की आमद मरहबा÷ के नारों से माहौल गूंज उठा। नगर के विभिन्न स्थानों जैसे जय स्तंभ चौक, कॉलेज चौक, बीएसएनएल ऑफिस, पीडब्ल्यूडी ऑफिस, दीनदयाल चौक सहित अनेक स्थानों पर शरबत एवं नाश्ते का इंतजाम मुस्लिम भाइयों की ओर से किया गया। जहां पर उपस्थितजनों के द्वारा जुलूस का स्वागत कर उसमें शामिल लोगों को पानी और शरबत का वितरण किया गया।

कमेटी द्वारा हाजियों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं पत्रकारों का किया गया सम्मान

ईद-मिलादुन्नबी पर्व के अवसर पर जामा मस्जिद में आयोजित स्वागत कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी मौजूदगी रही। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व सांसद के. डी. देशमुख, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दानदरे, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, पार्षद मोनू लिमजे, पार्षद प्रवीण डोंगरे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख, पार्षद प्रतिनिधि समीर बिसेन सहित थाना प्रभारी अनूप सिंह उइके, राजस्व निरीक्षक दिलीप डोंगरे, पटवारी शिवा पटले सहित अन्य पुलिस अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, हाजियों, बुजुर्गों, पत्रकारों एवं नगरपालिका कर्मचारियों का शॉल पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

पैगंबर साहब की आमद के मौके पर 5 दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजनः इकबाल खान

जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष इकबाल खान ने जानकारी देते हुए बताया कि पैगंबर साहब की आमद के मौके पर जामा मस्जिद ग्राउंड में 5 दिवसीय विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। जुलूस के नगर भ्रमण के बाद जामा मस्जिद में नमाज़ अदा की गई, जिसके उपरांत विशाल आम लंगर का वितरण किया गया। इस पांच दिवसीय आयोजन का समापन आगे बेहद भव्य और सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाएगा। आज से यह कार्यक्रम प्रारंभ हुआ है, आगे बच्चों और महिलाओं के कार्यक्रम हैं। 1 सितंबर को इंटरनेशनल नात शकील आरफी का कार्यक्रम जलसे के रूप में रखा गया है।

पैगंबर साहब के जन्म का पर्व पूरे विश्व में धूमधाम से मनाया जाता हैः प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि पैगंबर साहब के जन्म का यह पर्व पूरे विश्व में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। हमारे नगर में भी हर वर्ष इस कार्यक्रम को मनाने का कार्य सामाजिक बंधुओं के द्वारा किया जा रहा है, जो जामा मस्जिद प्रांगण में आयोजित किया गया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने ईद-मिलादुन्नबी की मुस्लिम समाजजनों एवं नगरवासियों को बधाई देते हुए कहा कि वारासिवनी आपसी भाईचारे और सौहार्द की मिसाल है। जायसवाल ने पूर्व विधायक के.डी. देशमुख का भी उल्लेख किया और सदर इकबाल खान के नेतृत्व में किए गए निर्माण कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि नगर के विकास में सभी वर्गों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

कटंगी में रक्षाबंधन की रौनकः बाजार राखियों से गुलजार, महंगाई से खरीदारी पर असर..

जगप्रेरणा कटंगी (बालाघाट)।

रक्षाबंधन के पर्व को लेकर कटंगी नगर के बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है। मुख्य बाजार, बस स्टैंड रोड और पुराना बाजार राखियों की रंग-बिरंगी दुकानों से सज गया है। बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए आकर्षक राखियां, मिठाई और गिफ्ट आइटमों की दुकानें सजी हैं, लेकिन इस बार बाजार में ग्राहकों की वो भीड़ नहीं दिख रही जो हर साल दिखती थी।

दुकानदारों के अनुसार इस बार महंगाई का असर साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। राखी की कीमत पिछले साल की तुलना में 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ी है। 10 रुपए से शुरू होने वाली राखी 200 रुपए तक बिक रही है, वहीं मिठाइयों के दाम भी आसमान छू रहे हैं।

400 रुपए किलो बिकने वाली मिठाई अब 500-600 रुपए किलो तक पहुंच गई है। इसी कारण लोग सिर्फ देखकर चले जा रहे हैं, खरीदारी में ज्यादा रुचि नहीं दिखा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। रक्षाबंधन पर बहनों के घर जाने के लिए लोग बड़ी संख्या में अपने गांव और शहरों की ओर रवाना हो रहे हैं।

बसों में अतिरिक्त भीड़ होने से बस संचालकों को अतिरिक्त फेरे लगाने पड़ रहे हैं। स्थानीय व्यापारी ने बताया कि ÷बाजार सजा तो है पर बिक्री बहुत मंदी है। लोग महंगाई से परेशान हैं, सिर्फ जरूरी सामान ही खरीद रहे हैं।÷ कुल मिलाकर त्योहार का उत्साह तो है, लेकिन महंगाई की मार ने बाजार की रौनक कुछ फीकी कर दी है।

॥ श्री जीणमाता की जय ॥ ॥ जय गुलाब बाबा नमः ॥
प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126
मान्यता ऑटो पार्ट्स
सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते है एंव गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
Hero BAJAJ HONDA TVS
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

लामता के मडकाटोला में बकरी का शिकार करने घेर में घुसा तेंदुआ..

ग्रामीण ने कमरे में किया कैद, वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के वन विकास निगम लामता परियोजना के अंतर्गत ग्राम मोहगांव पंचायत के बकवाड़ा गांव स्थित मडकाटोला में गुरुवार 27 अगस्त की सुबह सुबह अचानक उस समय हड़कंप मच गया, जब एक तेंदुआ बकरी का शिकार करने के लिए किसान के घर में घुस गया।

तेंदुए के घर में घुसने की जानकारी मिलते ही ग्रामीण ने सूझबूझ का परिचय देते हुए घर का दरवाजा बाहर से बंद कर उसे अंदर ही कैद कर दिया। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। करीब आठ घंटे तक तेंदुआ घर के अंदर रहा, जिसके बाद वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला और स्वास्थ्य परीक्षण के बाद जंगल में छोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, मडकाटोला निवासी किसान तेजलाल मरकाम के घर में गुरुवार सुबह करीब 4 बजे तेंदुआ बकरियों का शिकार करने की नीयत से घुस आया। बकरियों की आवाज सुनकर तेजलाल की नींद खुली तो उसने घर में तेंदुए को देखा। स्थिति को समझते हुए उसने तत्काल घर का दरवाजा बंद कर दिया, जिससे तेंदुआ बाहर नहीं निकल सका। इसके बाद उसने घटना की सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। सुबह करीब 5:30 बजे घटना की सूचना वन विकास निगम लामता के परियोजना अधिकारी राजेंद्र जरगे को मिली। उन्होंने तत्काल अपने उच्च अधिकारियों को घटना से अवगत कराया। संभागीय प्रबंधक सुंदर निवेदन एम के निर्देश पर वन अमला मौके के लिए रवाना हुआ। सुबह होते-होते घर में तेंदुआ होने की खबर आसपास के गांवों में फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। भीड़ को देखते हुए वन विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक इंतजाम किए। घटना की सूचना मिलने पर उत्तर सामान्य वन मंडल के वन अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इसके अलावा चंगोटोला और लामता पुलिस का अमला भी घटनास्थल पर पहुंच गया। चूंकि घर के अंदर वन्यप्राणी तेंदुआ बंद था, इसलिए रेस्क्यू अभियान को पूरी सावधानी के साथ संचालित किया गया।

वन अधिकारियों ने विशेषज्ञों की मौजूदगी में किया रेस्क्यू..

वन विभाग द्वारा रेस्क्यू से पहले कान्हा राष्ट्रीय उद्यान से डॉक्टर को भी मौके पर बुलाया गया। विशेषज्ञों और वन अमले की मौजूदगी में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। टीम ने काफी सावधानी से तेंदुए को सुरक्षित तरीके से काबू में लिया। रेस्क्यू के बाद डॉक्टर ने तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसमें उसे स्वस्थ पाया गया। वन विभाग के अनुसार रेस्क्यू किया गया तेंदुआ करीब डेढ़ से दो वर्ष की उम्र का बताया गया है। वह संभवतः भोजन की तलाश में बकरी का शिकार करने के लिए आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचा और किसान के घर में घुस गया था। रेस्क्यू के बाद तेंदुए को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर जंगल में छोड़ दिया गया।

बोले राजेन्द्र जरगे..

परियोजना अधिकारी राजेंद्र जरगे ने बताया कि मडकाटोला में किसान के घर में तेंदुआ घुसने की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी देकर उनके मार्गदर्शन में वन अमला मौके पर पहुंचा।

क्षेत्रीय वन विभाग की टीम और पुलिस बल की मौजूदगी में रेस्क्यू अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि तेंदुआ करीब डेढ़ से दो वर्ष का है और स्वास्थ्य परीक्षण में पूरी तरह स्वस्थ पाया गया। रेस्क्यू के बाद उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया है।

तेंदुए को छोड़ा गया वापस जंगल में..

रेस्क्यू अभियान के दौरान परियोजना अधिकारी राजेंद्र जरगे, सहायक परियोजना अधिकारी सतीश कुमारे, जितेंद्र बांगरे, वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेंद्र रंगारे सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस और वन विभाग की सतर्कता के चलते तेंदुए को बिना किसी नुकसान के सुरक्षित रेस्क्यू कर प्राकृतिक आवास में पहुंचा दिया गया।

गढ़ी के मंडई टेकरा में किया गया वृक्षारोपण..

क्लीन गढ़ी - ग्रीन गढ़ी अभियान के तहत प्रस्तावित पार्क को विकसित करने की पहल..

अजय रजक, जगप्रेरणा गढ़ी।

ग्राम पंचायत गढ़ी के मंडई टेकरा स्थित शिवमंदिर परिसर में प्रस्तावित पार्क स्थल पर आज जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत गढ़ी की सरपंच सुश्री रोशनी मेरावी के नेतृत्व में पंच श्रीमती उर्मिला रंधवे,

श्रीमती सुनीता पटेल एवं श्रीमती पार्वती नागेंद्र, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती चन्द्रकांता भौतेकर तथा रोजगार सहायक श्री सम्मलसिंह धुर्वे ने पारिजात, सिंदूर एवं करंज के पौधों का रोपण किया।

वृक्षारोपण के अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन एवं सार्वजनिक स्थलों के संरक्षण का संकल्प लिया। ग्राम पंचायत द्वारा बताया गया कि मंडई टेकरा के इस प्रस्तावित पार्क को ÷क्लीन गढ़ीङ्कग्रीन गढ़ी÷ अभियान के तहत व्यवस्थित एवं आकर्षक रूप से विकसित करने की योजना है।

आने वाले समय में यहां अधिक संख्या में पौधों का रोपण करने के साथ ओपन जिम, सौंदर्यीकरण एवं अन्य जनोपयोगी सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे यह स्थल नगरवासियों के लिए एक सुंदर, स्वच्छ एवं स्वास्थ्यवर्धक सार्वजनिक स्थान के रूप में तैयार हो सके।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत की ओर से आमजन से भी अपील की गई कि वे मंडई टेकरा के इस स्थल का भ्रमण करें तथा पार्क के विकास, सौंदर्यीकरण और जनोपयोगी सुविधाओं को लेकर अपने उपयोगी सुझाव ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराएं, ताकि स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप स्थल का बेहतर विकास किया जा सके। वृक्षारोपण कार्यक्रम में कॉबेट फाउंडेशन स्वयंसेवी संस्था का विशेष सहयोग रहा। संस्था द्वारा वृक्षारोपण हेतु 50 पौधे उपलब्ध कराए गए, जिसके लिए ग्राम पंचायत की सरपंच सुश्री रोशनी मेरावी ने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं सार्वजनिक स्थलों के विकास में सामाजिक संस्थाओं और आमजन की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ग्राम पंचायत गढ़ी द्वारा मंडई टेकरा के इस स्थल को आने वाले समय में हराभरा, स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने की दिशा में की जा रही पहल को स्थानीय नागरिकों ने भी सराहनीय कदम बताया है। ÷क्लीन गढ़ीङ्कग्रीन गढ़ी÷ अभियान के माध्यम से मंडई टेकरा को एक सुंदर, स्वस्थ एवं जनोपयोगी स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में यह वृक्षारोपण एक महत्वपूर्ण शुरुआत है।

आज सजेगी भाइयों की कलाई, बहनें बांधेंगी प्रेम की राखी..

जगप्रेरणा उकवा।

भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन आज हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। रक्षाबंधन को लेकर उकवा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी

सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना करेंगी, वहीं भाई बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार भेंट करेंगे। रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में भी विशेष रौनक देखने को मिली। दुकानों पर रंग-बिरंगी राखियां, मिठाइयां और उपहार सामग्री की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ रही। बच्चों और युवाओं में आकर्षक राखियों को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

पंचांग के अनुसार इस वर्ष श्रावण पूर्णिमा की तिथि 28 अगस्त की सुबह तक रहेगी और रक्षाबंधन भद्रा रहित समय में मनाया जाएगा। उपलब्ध पंचांग जानकारी के अनुसार सुबह 5:57 बजे से 9:48 बजे तक राखी बांधने का शुभ समय रहेगा। इसमें लाभ मुहूर्त सुबह 7:33 से 9:10 बजे तथा अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त सुबह 9:10 से 9:48 बजे तक रहेगा। सुबह राखी बांधना संभव नहीं होने पर दोपहर 12:23 से 2 बजे तक भी शुभ समय बताया गया है।

परंपरा के अनुसार बहनें पूजा की थाली सजाकर भाई को तिलक लगाकर राखी बांधेंगी और मिठाई खिलाएंगी। यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, अपनापन और विश्वास को और मजबूत करने का संदेश देता है।

रक्षाबंधन के अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए परिवार में सुख-शांति और खुशहाली की कामना की।

कुम्हारी के हिमांशु का मेडिकल कॉलेज भोपाल में चयन, माता- पिता गुरुजनों का नाम किया रोशन

जगप्रेरणा लांजी।

ग्रामीण अंचल से निकलकर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में एक और युवा ने शानदार सफलता हासिल की है। लांजी क्षेत्र के ग्राम कुम्हारीकला निवासी हिमांशु ढोंगे, पिता बिसराम ढोंगे एवं माता वंदना ढोंगे के पुत्र ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़

संकल्प के बल पर एमबीबीएस पाठ्यक्रम में चयन प्राप्त कर परिवार के साथ-साथ अपने गांव और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

हिमांशु का चयन एल.एन. मेडिकल कॉलेज, भोपाल में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए हुआ है। अब वे भोपाल में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर डॉक्टर बनने के अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाएंगे। उनकी इस उपलब्धि की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों, ग्रामीणों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

ग्रामीण परिवेश से निकलकर हासिल की बड़ी उपलब्धि

हिमांशु की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है, जो ग्रामीण परिवेश में रहकर बड़े सपने देखते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद निरंतर अध्ययन, मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर हिमांशु ने यह मुकाम हासिल किया है।

उनकी सफलता ने यह साबित किया है कि सुविधाएं कम हो सकती हैं, लेकिन यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर जारी रहे तो कोई भी मंजिल असंभव नहीं है। हिमांशु की उपलब्धि से कुम्हारीकला सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों में भी उत्साह का माहौल है।

डॉक्टर बनकर समाजसेवा का सपना

हिमांशु के एमबीबीएस में चयन पर परिजनों, ग्रामवासियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि हिमांशु चिकित्सा शिक्षा पूरी कर एक सफल एवं संवेदनशील चिकित्सक बनेंगे और भविष्य में समाज तथा अपने क्षेत्र के लोगों की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

परिजनों ने भी हिमांशु की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और सफलता परिवार के लिए गर्व का विषय है। हिमांशु की इस उपलब्धि ने न केवल उनके माता-पिता का सपना साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया है, बल्कि कुम्हारीकला गांव को भी गौरवान्वित किया है

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..

दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें..
मो. 9329033433

बिरसा के प्रभावित ग्रामों में जिला प्रशासन की सतत निगरानी..

4261 व्यक्तियों की हो चुकी स्वास्थ्य जाँच, 230 मरीज अस्पताल से डिस्चार्ज

प्रभावित क्षेत्र के 9831 बच्चों का किया गया टीकाकरण

जगप्रेरणा बिरसा।

बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के बीमारी से प्रभावित ग्राम कुंडेकसा, कोरका एवं बोंदारी में स्वास्थ्य विभाग द्वारा घर-घर स्वास्थ्य सर्वे एवं उपचार की कार्रवाई लगातार जारी है। 27 अगस्त 2026 की प्रतिदिन सर्वे रिपोर्ट के अनुसार अब तक कुल 4261 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है।

सर्वे के दौरान 346 मलेरिया रोगी, 166 दस्त से पीड़ित, 168 शरीर पर दाने के साथ बुखार से पीड़ित तथा 177 चर्म रोग से प्रभावित मरीज पाए गए हैं। इन बीमारियों सहित कुल 857 मरीजों की पहचान की गई है। इनमें से 583 मरीजों का घर पर उपचार किया गया, जबकि 274 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार दिया गया है। अस्पताल में भर्ती मरीजों में से अब तक 230 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं, जबकि 44 मरीजों का उपचार अभी जारी है। 27 अगस्त को 18 नए मरीज अस्पताल में भर्ती किए गए, वहीं उपचार के बाद 02 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों को एहतियात के तौर पर भर्ती कराया गया है और सभी की स्थिति खतरे से बाहर है।

स्वास्थ्य विभाग की 20 सर्वेक्षण टीमें घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण कर रही हैं। इसके साथ ही 4 पीएम जनमन एएमएमयू, 10 चिकित्सा अधिकारी तथा भर्ती एवं रेफरल के लिए 4 एम्बुलेंस तैनात की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें बच्चों एवं अन्य मरीजों के स्वास्थ्य पर लगातार निगरानी रख रही हैं।

अब तक 748 बच्चों को विटामिन-ए की खुराक, ओआरएस एवं जिंक टैबलेट वितरित की गई है। वहीं 706 बच्चों को आयरन सिरप प्रदान किया गया तथा 610 बच्चों को एल्बेंडाजोल की टैबलेट खिलाई गई। कुल 177 टीकाकरण सत्रों के माध्यम से 9831 बच्चों का टीकाकरण किया गया है। वहीं, मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं मच्छरजनित रोगों पर नियंत्रण के लिए भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 52 ग्रामों के 3 हजार 347 मकानों में कीटनाशक का छिड़काव किया गया है। साथ ही 63 ग्रामों के 5 हजार 288 मकानों में लार्वा सर्वे का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

खमरिया में सज गई राखियों की दुकान बहन, भाई के कलाई में आज बांधेंगी रक्षासूत्र

जगप्रेरणा खमरिया।

लालबर्रा जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम खमरिया बाजार में राखियों की दुकान सज गई है। भाई बहनों के अटुट संबंधों का प्रतिक रक्षाबंधन पर्व के लिये खमरिया बाजार में राखी की दुकान सज गई है।

राखी का त्यौहार 28 अगस्त को मनाया जायेगा। रक्षाबंधन के त्यौहार के लिये सजे बाजार में, इस वर्ष कई प्रकार की राखियां दुकानदारों द्वारा लाई गई हैं। रक्षाबंधन पर्व जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है क्षेत्र में बाहर पढ़ने वाले अपने रिश्तेदारों व ससुराल में रहने वालों बहनों ने अपने-अपने घरों की आना पारम्भ कर दिया हैं। वहीं कई बहनें अपने अपने भाइयों के लिये कोरियर व पोस्ट आफिस के माध्यम से राखी भेज रही हैं।

बाजार मे हर प्रकार की रंग-बिरंगी राखियां नजर आ रही हैं। राखी पर्व के लिये कपड़ों की दुकाने मिठाई से लेकर गिफ्ट तक लेने वालों की भीड़ नजर आ रही है। राखी पर्व को लेकर जहां भाई बहनों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। तो वहीं दुसरी तरफमंहगाई भी पीछा नहीं छोड़ रही है। रक्षाबंधन को लेकर तैयारिया जोर पकड़ रही है। राखी फे लिये सजे बाजार में इस बार बच्चों के लिये कार्टून वाली राखियां भी नजर आ रही है।

बालाघाट प्रधान डाकघर में उपलब्ध पासपोर्ट सेवा केंद्र की सुविधाओं का उठाएं लाभ

जगप्रेरणा बालाघाट।

आम नागरिकों को पासपोर्ट संबंधी सेवाएं उनके नजदीक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय डाक विभाग एवं विदेश मंत्रालय के सहयोग से बालाघाट प्रधान डाकघर में पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

इस सुविधा के माध्यम से बालाघाट एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को पासपोर्ट संबंधी कार्यों के लिए दूरस्थ केंद्रों पर जाने की आवश्यकता कम होगी।

अधीक्षक डाकघर, बालाघाट संभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र में नए पासपोर्ट के लिए आवेदन, पासपोर्ट के पुनः जारीकरण तथा पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट सहित विभिन्न उपलब्ध पासपोर्ट सेवाओं के लिए आवेदन संबंधी सुविधा प्रदान की जाती है। केंद्र पर आवेदकों को आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों तथा अपॉइंटमेंट से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाता है, ताकि नागरिक बिना किसी परेशानी के अपनी पासपोर्ट संबंधी प्रक्रिया पूरी कर सकें।

डाक विभाग का उद्देश्य पासपोर्ट सेवाओं को आम जनता के लिए सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाना है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर नागरिकों को अधिक से अधिक जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के पात्र नागरिक इस जनहितैषी सुविधा का लाभ उठा सकें।

बालाघाट जिले की आम जनता से अपील की गई है कि पासपोर्ट से जुड़े कार्यों के लिए अपने नजदीकी पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र से संपर्क करें और विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय अधीक्षक डाकघर, बालाघाट संभाग, बालाघाट-481001 से संपर्क किया जा सकता है।

जग प्रेरणा

खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..

पाकिस्तान अगले साल तीन से 11 अप्रैल तक दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी करेगा..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

पाकिस्तान छह साल के विलंब के बाद अगले साल तीन से 11 अप्रैल तक 14वें दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी करेगा। इन खेलों का आयोजन इस्लामाबाद, लाहौर और पेशावर में किया जाएगा।

दक्षिण एशिया ओलंपिक परिषद (एसएओसी) ने इस्लामाबाद में हाल में हुई बैठक में इस बहु खेल प्रतियोगिता की तारीखों और आयोजन स्थलों को मंजूरी दी। दक्षिण एशियाई खेलों का आयोजन मूल रूप से 2021 में होना था लेकिन कोविड-19 महामारी समेत विभिन्न कारणों से इसे कई बार स्थगित किया गया। अगले साल मार्च में होने वाले खेलों की तारीखों को भी एक महीने आगे बढ़ाकर अप्रैल कर दिया गया। पाकिस्तान 2004 में इस्लामाबाद में क्षेत्रीय खेलों की मेजबानी करने के 23 साल बाद फिर इन खेलों की मेजबानी करेगा।

एसएओसी ने रविवार को इस्लामाबाद में अपनी कार्यकारी समिति की बैठक में यह फैसला किया। बैठक की अध्यक्षता पाकिस्तान ओलंपिक संघ (पीओए) के अध्यक्ष और दक्षिण एशियाई संस्था के प्रमुख आरिफ सईद ने की। बैठक में खेलों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इस्लामाबाद, लाहौर और पेशावर को आयोजन स्थलों के रूप में मंजूरी दी गई। बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के प्रतिनिधियों ने बैठक में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लिया। अधिकारियों ने बाद में इस्लामाबाद में प्रस्तावित खेल स्थलों का निरीक्षण भी किया।

पीओए के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि भारत के प्रतिनिधि ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बैठक में हिस्सा लिया। हालांकि उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मौजूदा राजनीतिक संबंधों को देखते हुए अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि भारत इन खेलों के लिए अपना दल भेजेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि भारत के प्रतिनिधि का बैठक में शामिल होना और खेलों की तारीखों का समर्थन करना इस बात का सकारात्मक संकेत है कि भारत प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का इच्छुक है।

हालांकि बैठक में शामिल एक अन्य अधिकारी ने कहा कि भारतीय प्रतिनिधि ने किसी भी स्तर पर भारत की भागीदारी का संकेत नहीं दिया और ना ही पुष्टि की। उन्होंने यह भी बताया कि भारत ने हाल में इस्लामाबाद में हुए एक वॉलीबॉल टूर्नामेंट में भी अपनी टीम नहीं भेजी थी। नयी दिल्ली में एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) इस मामले में भारत सरकार की नीति का पालन करेगा। दक्षिण एशियाई खेलों में 28 खेलों की 346 पदक स्पर्धाएं होंगी और इनमें 3,200 से अधिक खिलाड़ियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफखेलों के बजट को पहले ही मंजूरी दे चुके हैं और इसे अगले सप्ताह जारी किया जाएगा।

अजय देवगन की किस्मत बदलने वाले डायरेक्टर कुकू कोहली का निधन, भावुक एक्टर बोले- 'आपने बदला मेरी जिंदगी का रास्ता'..

डेस्क जगप्रेरणा।

हिन्दी सिनेमा जगत के जाने-माने निर्देशक और 'फूल और कांटे' जैसी सुपरहिट फिल्मों के मेकर्स कुकू कोहली का 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। मंगलवार को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में कार्डियक अरेस्ट के कारण उनका निधन हुआ।

कुकू कोहली के जाने से न सिर्फ उनका परिवार बल्कि पूरा बॉलीवुड शोक में डूबा है। उनके निधन की खबर से सबसे बड़ा झटका अभिनेता अजय देवगन को लगा है, जिन्हें कुकू कोहली ने ही फिल्म इंडस्ट्री में लॉन्च किया था। अपने मार्गदर्शक और मेंटॉर को खोने से दुखी अजय देवगन ने सोशल मीडिया पर बेहद भावुक संदेश लिखकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी है।

अजय देवगन का भावुक संदेश..

अपने करियर की नींव रखने वाले निर्देशक के अचानक चले जाने से अजय देवगन पूरी तरह से टूट गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म **X** पर एक दिल छू लेने वाला नोट साझा करते हुए लिखा, 'कुछ लोग आपकी जिंदगी का रास्ता हमेशा के लिए बदल देते हैं। कुकू जी मेरे लिए उन खास लोगों में से एक थे। आपने मुझ पर जो विश्वास दिखाया, उसके लिए मैं जिंदगी भर आभारी रहूंगा। आपकी कमी हमेशा खलेगी, कुकू जी। ओम शांति।' अजय के इस संदेश से साफ जाहिर होता है कि कुकू कोहली का उनकी जिंदगी और करियर में कितना महत्वपूर्ण योगदान था।

'फूल और कांटे' से बदला अजय देवगन का भाग्य..

कुकू कोहली और अजय देवगन के पेशेवर और व्यक्तिगत रिश्ते की शुरुआत साल 1991 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'फूल और कांटे' से हुई थी। इसी फिल्म के जरिए कुकू कोहली ने अजय देवगन को बॉलीवुड में डेब्यू कराया था। यह एक्शन-रोमांस फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई और इसने अजय देवगन की किस्मत रातों-रात बदल दी। फिल्म में दो चलती मोटरसाइकिलों पर पैर रखकर की गई अजय देवगन की मशहूर एंट्री आज भी हिन्दी सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित और यादगार डेब्यू सीन्स में गिनी जाती है।

राज कपूर के साथ काम से लेकर ब्लॉकबस्टर निर्देशन तक का सफर..

कुकू कोहली का फिल्मी सफर काफी प्रेरणादायक रहा। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत महान फिल्मकार राज कपूर के साथ काम करके की थी। इसके बाद, उन्होंने सनी देओल और अमृता सिंह की डेब्यू फिल्म 'बेताब' में सेकेंड यूनिट डायरेक्टर के तौर पर अपनी सेवाएं दीं। अपनी निर्देशन क्षमता को साबित करने के बाद उन्होंने 'फूल और कांटे' से मुख्य निर्देशक के रूप में शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने अजय देवगन, अक्षय कुमार, करिश्मा कपूर और नगमा स्टारर फिल्म 'सुहाग' बनाई, जिसने सिनेमाघरों में गोल्डन जुबली मनाई थी। उन्होंने 'हकीकत', 'कोहराम', 'बादशाह' और 'हलचल' जैसी कई हिट और यादगार फिल्मों का निर्देशन भी किया।

निजी जिंदगी और परिवार में शोक की लहर..

1990 के दशक से लेकर 2000 के शुरुआती दौर तक अपनी एक्शन, ड्रामा और संगीत से भरपूर फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन करने वाले कुकू कोहली अपने पीछे पत्नी और बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री अरुणा ईरानी और अपनी पहली शादी से दो बेटियों को छोड़ गए हैं। स्वास्थ्य बिगड़ने और दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन के बाद से ही पूरी फिल्म इंडस्ट्री एक ऐसे दूरदर्शी निर्देशक को याद कर रही है, जिसने न सिर्फ बेहतरीन फिल्में दीं, बल्कि कई बड़े कलाकारों के करियर को सही दिशा भी दी।

पहले वैभव सूर्यवंशी और अब यशस्वी जायसवाल, संजय मांजरेकर ने क्यों की आईसीसी और बीसीसीआई से कम्प्लेन..

डेस्क जगप्रेरणा।

संजय मांजरेकर एक बार फिर से चर्चा हैं। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मैच टीम इंडिया जीत चुकी है और दूसरा मैच इस वक्त कोलंबो में जारी है।

इस सीरीज के दौरान संजय सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के लिए क्रिकेट कमेंट्री कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने यशस्वी जायसवाल को लेकर आईसीसी और बीसीसीआई से कम्प्लेन की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी है। जो इस वक्त सुर्खियों में आ गई है।

यशस्वी जायसवाल और असिथा फर्नांडो के बीच हुई थी दूसरे टेस्ट के दौरान कहासुनी..

दरअसल भारत बनाम श्रीलंका दूसरे टेस्ट के दौरान भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के असिथा फर्नांडो आमने सामने आ गए थे। यशस्वी जायसवाल को आउट करने के बाद असिथा ने कुछ कमेंट किया। इस पर जायसवाल उनके पास गए और कहासुनी हो गई थी। हालांकि अंपायर ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को अलग किया। इसके बाद अगले ही दिन आईसीसी ने एक्शन भी लिया। इस पूरे प्रकरण को आचार संहिता का उल्लंघन माना गया। इसके बाद दोनों पर कार्रवाई की। उन पर मैच फीस का 25 परसेंट जुर्माना लगाया गया। साथ ही उन्हें एक-एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया। हालांकि दोनों ने अपनी गलती मान ली, इसलिए आगे मामला नहीं चलेगा। इसी बात को लेकर संजय मांजरेकर नाराज नजर आ रहे हैं।

संजय मांजरेकर ने आईसीसी और बीसीसीआई को टैग कर की सोशल मीडिया पर पोस्ट..

संजय ने आईसीसी और बीसीसीआई को टैग करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा है कि हाल ही में इंडिया ए के लिए वैभव सूर्यवंशी और अब यशस्वी जायसवाल।

अगर आप उन्हें ऐसे बर्ताव से बचते रहेंगे तो आप उन्हें ऐसा बर्ताव दोहराने की ट्रेनिंग दे रहे हैं। यह खेल के लिए और सबसे जरूरी उनके अपने भविष्य के लिए भी अच्छा नहीं है। यानी जो सजा आईसीसी ने दी है, उसे संजय शायद पर्याप्त नहीं मान रहे हैं। साथ ही बीसीसीआई ने सजा की बात तो दूर की है, चेतावनी तक नहीं दी है।

अब तक इस सीरीज में नहीं चला है जायसवाल का बैट..

इस बीच अभी तक यशस्वी जायसवाल का बल्ला इस श्रीलंका सीरीज के दौरान बिल्कुल नहीं चला है। हां, वे झगड़े के लिए जरूर तैयार से नजर आते हैं। गॉल में खेले गए सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में जायसवाल ने 32 रन बनाए और दूसरी पारी में बिना खाता खोले शून्य पर आउट हो गए। दूसरे मैच की पहली पारी में वे केवल 45 रन बनाकर चलते बने। फिलहाल संजय का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल है और लोग तरह तरह के कमेंट कर रहे हैं।

लापता बेटी की खोज में 'गांधारी' बनी मां, खूनी इंतकाम वाली एक्शन थ्रिलर का रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर रिलीज..

डेस्क जगप्रेरणा।

अभिनेत्री तापसी पन्नू की फिल्म 'गांधारी' का आधिकारिक ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर दर्शकों को एक मां की भावनात्मक, दर्दनाक और एक्शन से भरपूर यात्रा की झलक दिखाता है। इस फिल्म में तापसी पन्नू 'बानी' नाम की महिला का किरदार निभा रही हैं,

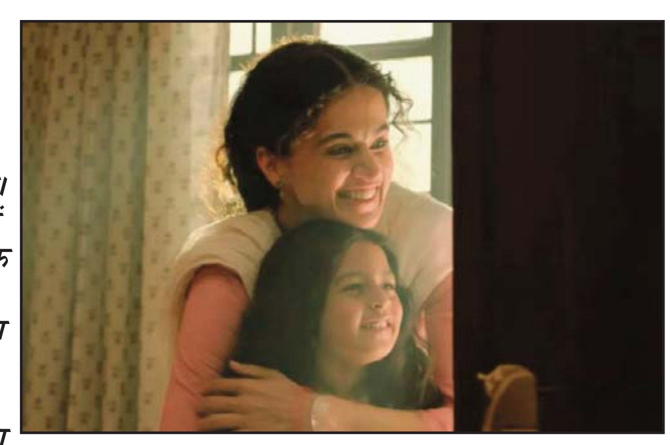

जिसकी छोटी बेटी अचानक लापता हो जाती है और उसकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है। नेटफ्लिक्स के अनुसार यह एक ऐसी मां की कहानी है जो अपहरण की घटना में न केवल अपनी मासूम बेटी को खो देती है, बल्कि अपनी आंखों की रोशनी भी गंवा बैठती है। इसके बाद वह खुद ही कानून और न्याय को अपने हाथों में लेने का फैसला करती है।

अंधेरे से जंग और न्याय की अनोखी लड़ाई..

फिल्म का ट्रेलर उन सभी हदों को रेखांकित करता है, जिन्हें पार करने के लिए एक मां अपनी औलाद को वापस पाने के लिए तैयार रहती है। एक बेहद प्रभावशाली दृश्य में बानी अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर अपनी खोज जारी रखती नजर आती है। यह दृश्य स्पष्ट करता है कि फिल्म में मुख्य किरदार को न केवल शारीरिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है, बल्कि वह मानसिक और भावनात्मक कठिनाइयों से भी जूझती है। 'जॉयपुरा' नाम के काल्पनिक शहर की पृष्ठभूमि पर बनी यह कहानी बानी के संघर्ष को दर्शाती है, जहां वह अपनी लापता बेटी को ढूंढते हुए एक खतरनाक और हिंसक दुनिया से टकराती है।

बदले की आग और भावनात्मक गहराई..

हालांकि ट्रेलर में कहानी के मुख्य मोड़ों को गुप्त रखा गया है, लेकिन यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि इस पूरी यात्रा में प्रतिशोध और बदले की भावना एक मुख्य कड़ी है।

जैसे-जैसे बानी अपनी बच्ची के करीब पहुंचती है, उसे ऐसे लोगों और परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जो उसे एक खतरनाक जंग में धकेल देते हैं। फिल्म में एक्शन के साथ-साथ एक मां के दिल की वेदना, लाचारी और अटूट इच्छाशक्ति के संतुलन को बहुत ही संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया है।

दमदार स्टारकास्ट और पुरानी हिट जोड़ी की वापसी..

ल्मि 'गांधारी' में तापसी पन्नू के अलावा कई बेहतरीन कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसमें इशवाक सिंह, छाया कदम, स्वास्तिका मुखर्जी, मीता वशिष्ठ और जतिन सरना जैसे नामचीन कलाकार शामिल हैं। इस फिल्म के जरिए तापसी पन्नू और प्रख्यात लेखिका-निर्मात्री कनिका ढिल्लों की जोड़ी एक बार फिर साथ आई है। इससे पहले यह जोड़ी 'हसीन दिलरुबा' और 'फिर आई हसीन दिलरुबा' जैसी सफल फिल्मों में एक साथ काम कर चुकी है।

देवाशीष मखीजा का निर्देशन और ओटीटी रिलीज डेट..

इस थ्रिलर फिल्म का निर्देशन देवाशीष मखीजा ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्माण का जिम्मा कनिका ढिल्लों ने संभाला है। नेटफ्लिक्स ने इसे एक अत्यधिक भावनात्मक और एक्शन से भरपूर फिल्म करार दिया है, जो तापसी पन्नू के करियर की सबसे कठिन शारीरिक भूमिकाओं में से एक मानी जा रही है।

हाल ही में फिल्म पर कहानी चोरी के आरोप भी लगे थे, लेकिन प्रोडक्शन हाउस 'कथा पिक्चर्स' ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि 'गांधारी' एक पूरी तरह से मूल कहानी है। यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बजाय सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी। दर्शक 3 सितंबर 2026 से इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम कर सकेंगे।

कृति सेनन के रक्षाबंधन लुक पर मचा बवाल, विवाद बढ़ते ही कंपनी ने विज्ञापन हटाया..

डेस्क जगप्रेरणा।

ज्वेलरी ब्रांड **GIVA** ने रक्षाबंधन के अवसर पर जारी अपने हालिया विज्ञापन अभियान को सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स से हटा लिया है।

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन को लेकर बनाया गया यह विज्ञापन सोशल मीडिया पर उनके पहनावे को लेकर उठी तीखी आपत्तियों के बाद विवादों में आ गया था।

विवाद के तूल पकड़ने और चौतरफा आलोचनाओं के बाद कंपनी ने आखिरकार इस व्यावसायिक प्रचार को वापस लेने का निर्णय लिया।

कपड़ों पर विवाद और सोशल मीडिया का विरोध..

इस प्रचार अभियान में कृति सेनन पारंपरिक त्योहार रक्षाबंधन मनाते हुए एक ब्रालेट-शैली के ब्लाउज, ड्रेप्ड स्कर्ट और केप में नजर आई थीं। विज्ञापन के सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स के एक वर्ग ने इस तरह के पारंपरिक और पवित्र त्योहार के अवसर पर इस तरह के परिधान को अनुपयुक्त बताते हुए सवाल उठाने शुरू कर दिए। कई लोगों का तर्क था कि इस सांस्कृतिक उत्सव के लिए अधिक शालीन और पारंपरिक पोशाक का चुनाव किया जाना चाहिए था।

कंगना रनौत की टिप्पणी और कृति का जवाब..

मामला उस समय और ज्यादा गरमा गया जब अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। कंगना ने कृति सेनन के परिधान पर निशाना साधते हुए राखी जैसे पावन अवसर पर उनके पहनावे की तुलना 'बिकिनी' से कर दी। हालांकि इस आलोचना के बीच कृति सेनन ने भी अपने परिधान के चयन का बचाव करते हुए सवाल उठाने वालों को जवाब दिया था। राहुल गांधी भी एक्ट्रेस के बचाव में आ गए थे और उन्होंने कहा था कि महिलाओं को क्या पहनना है और क्या नहीं, ये वो खुद तय कर सकती हैं और ये उनका अधिकार है। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर यह बहस कम होने के बजाय और अधिक तेज हो गई।

ब्रांड की सफाई और विज्ञापन वापस लेने का फैसला..

विवाद को बढ़ता देख 'जीवा' ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर एक औपचारिक बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की। ब्रांड ने बताया कि उनका यह अभियान रक्षाबंधन के प्यार और उत्सव के दायरे को परिवार के पालतू जानवरों तक विस्तारित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका मकसद किसी भी व्यक्ति या वर्ग की धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना बिल्कुल नहीं था। अपने बयान में ब्रांड ने भारतीय संस्कृति, रीति-रिवाजों और त्योहारों के प्रति अपनी गहरी निष्ठा व्यक्त की। जीवा ने कहा कि वे हमेशा से परिवार के साथ मिलकर खुशियां बांटने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने आगे लिखा कि यदि अनजाने में इस विज्ञापन से समाज के किसी भी वर्ग की भावनाएं आहत हुई हैं तो वे इसका सम्मान करते हुए विज्ञापन को सभी प्लेटफॉर्म्स से पूरी तरह से वापस ले रहे हैं। इसके साथ ही कंपनी ने सभी को त्योहार की शुभकामनाएं और सकारात्मकता का संदेश दिया। इस प्रकार, अभिनेत्री के परिधान को लेकर शुरू हुआ यह विवाद विज्ञापन के हटने के साथ समाप्त हुआ।

अमेरिकी ओपन में सेरेना और वीनस विलियम्स फिर साथ खेलेंगी युगल मुकाबला..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

सेरेना और वीनस विलियम्स एक बार फिर साथ में टेनिस कोर्ट पर उतरेंगी और दोनों बहनें अमेरिकी ओपन में युगल मुकाबला खेलेंगी। दोनों को बुधवार को इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड मिला है। वे इससे पहले दो बार अमेरिकी ओपन का युगल खिताब जीत चुकी हैं।

सेरेना विलियम्स ने चार साल के ब्रेक के बाद इन गर्मियों में टेनिस में वापसी की है। दोनों बहनों को विम्बलडन में भी साथ खेलना था, लेकिन सेरेना को एकल मैच में घुटने में चोट लग गई जिसके कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा। इसके बाद दोनों सिनसिनाटी ओपन में साथ में खेलीं लेकिन पहले ही दौर में हार गईं।

विलियम्स बहनों ने 1999 और 2009 में अमेरिकी ओपन का युगल खिताब जीता था। अमेरकी ओपन में उनकी कुल जीत-हार का रिकॉर्ड 27-7 है। सेरेना (44 वर्ष) मंगलवार को कार्लोस अल्कराज के साथ मिश्रित युगल भी खेला।

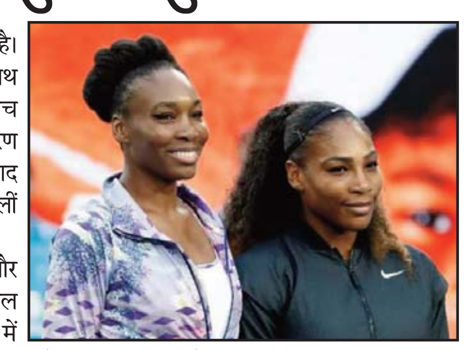

उन्होंने एक मैच जीता, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हार गईं। वीनस (46 वर्ष) अमेरिकी ओपन के महिला एकल मुकाबले में भी हिस्सा लेंगी।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..
Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

जग प्रेरणा

साहित्य अभिव्यक्ति

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..
एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

रक्षा बंधन: धागे का नहीं, दायित्व का पर्व..

रिश्तों की वास्तविक शक्ति विश्वास और संवेदना में निहित

रक्षा बंधन भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है, जिसमें एक साधारण-सा धागा असाधारण भावनाओं का प्रतीक बन जाता है। भाई की कलाई पर बहन द्वारा बांधी जाने वाली राखी केवल स्नेह, विश्वास और सुरक्षा का संकल्प नहीं, बल्कि रिश्तों की उस जीवंत परंपरा का प्रतीक है, जो परिवार से निकलकर समाज और राष्ट्र तक अपनी व्यापक अर्थवत्ता रखती है।

बदलते समय में रक्षा बंधन के स्वरूप में परिवर्तन स्वाभाविक है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है, रोजगार और शिक्षा के कारण भाई-बहन दूर-दूर रहते हैं और डिजिटल माध्यमों ने त्योहारों की अभिव्यक्ति को भी बदल दिया है। बावजूद इसके राखी का भाव आज भी उतना ही प्रासंगिक है। क्योंकि रिश्तों की वास्तविक शक्ति दूरी से नहीं, विश्वास और संवेदना से निहित होती है।

रक्षा बंधन को केवल भाई द्वारा बहन की रक्षा के संकल्प तक सीमित करना भी इस पर्व की व्यापकता को संकुचित करना होगा। आज आवश्यकता ऐसे पारस्परिक रिश्तों की है, जहां भाई बहन की गरिमा, सम्मान और स्वतंत्रता की रक्षा का संकल्प ले, वहीं बहन भी भाई के सुख-दुख में समान रूप से सहभागी बने। आधुनिक समाज में सुरक्षा का अर्थ केवल शारीरिक संरक्षण नहीं, बल्कि सम्मान, अवसर, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और निर्णय की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना भी है।

इस पर्व का सामाजिक पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जब समाज में वृद्ध माता-पिता अकेलेपन से जूझ रहे हों, बेटियां असुरक्षा का अनुभव कर रही हों और परिवारों में संवाद का अभाव बढ़ रहा हो, तब राखी हमें रिश्तों की जिम्मेदारी का स्मरण कराती है। यह पर्व पूछता है कि क्या हमारी संवेदनाएं केवल एक दिन की रस्म तक सीमित हैं या हम पूरे वर्ष अपने संबंधों और सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग रहते हैं?

रक्षा बंधन की सबसे बड़ी चुनौती आज दिखावे और भावनाओं के बीच संतुलन की है। महंगे उपहार, सोशल मीडिया पर तस्वीरें और औपचारिक शुभकामनाएं पर्व की चमक तो बढ़ा सकती हैं, लेकिन रिश्तों की गहराई नहीं। वास्तविक राखी वह है, जिसमें समय देने की इच्छा हो, संवाद हो, कठिन समय में साथ खड़े रहने का भरोसा हो और एक-दूसरे के सम्मान की रक्षा का संकल्प हो।

इस पर्व को पर्यावरण और सामाजिक सरोकारों से जोड़ना भी समय की मांग है। स्वदेशी, हस्तनिर्मित और पर्यावरण-अनुकूल राखियों को प्रोत्साहन देकर हम परंपरा के साथ प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभा सकते हैं। साथ ही उन बहनों तक भी राखी का स्नेह पहुंचना चाहिए, जो आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियों के कारण इस उत्सव की खुशियों से वंचित रह जाती हैं।

रक्षा बंधन अंततः धागे का नहीं, दायित्व का पर्व है। यह हमें याद दिलाता है कि रिश्ते अधिकार से नहीं, जिम्मेदारी से मजबूत होते हैं। भाई की कलाई पर बंधी राखी बहन की सुरक्षा का वचन अवश्य है, लेकिन उससे भी आगे यह परिवार में विश्वास, समाज में संवेदना और जीवन में मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का संकल्प है।

आज जब भौतिकता तेजी से रिश्तों पर प्रभाव डाल रही है, रक्षा बंधन का संदेश और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है–रिश्तों को केवल निभाया नहीं, समझा और संवारा भी जाना चाहिए। राखी की यह डोर तभी सार्थक होगी, जब इसकी गांठ केवल कलाई पर नहीं, दिलों और दायित्वों में भी बंधे। यही रक्षा बंधन की वास्तविक शक्ति है।

लेखक

हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार व लेखक,

उजली कलाई..

भाई की महकी कलाई आज फिर,
बहना ने छेड़े खुशी के साज फिर।

सावन की रिमझिम में बहना आई है,
भाई, तेरी राखी का गहना लाई है।
भाई को बहना पे आया नाज़ फिर,
बहना ने छेड़े खुशी के साज फिर।

भाई के माथे पे टीका लग रहा,
आज तो वह चांद फीका लग रहा।
भाई के सर पर सजा है ताज फिर,
बहना ने छेड़े खुशी के साज फिर।

एक धागे ने निराला स्वर किया
दो दिलों में आज फिर एका किया
हैं भरी उम्मीद ने परवाज़ फिर ,
बहना ने छेड़े खुशी
के साज फिर।

है पुरातन रीत,
राखी की चली,
लक्ष्मी है बहना तो
भाई है बली।
मन में उमड़ा प्रेम
का अंदाज़ फिर,,
बहना ने छेड़े खुशी
के साज फिर।

लेखक

संतोष सिंह नैकाने,
गोंदिया महाराष्ट्र

तुम्हारे स्वागत में मधुशाला

आओ प्रिय तुम्हें पकड़ा
देता हूं मधु का प्याला,
कह देता हूं साकी को
भर देगा वह उसमें स्वर्ण हाला।

पी लेना तुम मन भर हाला
खाली कभी न होगा वह प्याला,
आते रहना हमेशा मेरे पास
सब जगह दिखेगी मेरी
मधुशाला। (1)

कमरे से निकल कर
आ बैठना मदिरालय में
पिलाता रहेगा भोला साकी,
देता रहेगा एक नया प्याला।

तुम्हारे लिए यहां के
दरवाज़े हमेशा खुले हैं,
आ बैठना दोस्तों संग
स्वागत करेगी मेरी मधुशाला।
(2)

रचनाकार

प्रणव राज, बिहार

रक्षा बंधन का त्योहार..

प्रेम सुधा रस बरसाता है,
होती खुशियों की बौछार।
श्रावण पूनम को है आता,
रक्षा बंधन का त्योहार।।

रोली-चावल धूप-दीप से,
थाल सजाकर देखे राह।
सदा रहे खुश मेरा भाई,
दिल में रहती है बस चाह।।
कष्ट सभी हर लेती बहना,
ढाल बनी रहती तैयार।
श्रावण पूनम को है आता,
रक्षा बंधन का त्योहार।।

ईश्वर की सुंदर रचना है,
भगिनी रखती सबका ध्यान।
धर-संसार सजा बहना से,
होता मात-पिता
का मान।।
सहोदरा का
रिश्ता प्यारा,
चाहे हो इसमें तकरार।
श्रावण पूनम को है आता,
रक्षा बंधन का त्योहार।।

प्रेम सुधा रस बरसाता है,
होती खुशियों की बौछार।
श्रावण पूनम को है आता,
रक्षा बंधन का त्योहार।।

लेखिका

किंजल ईलेश मेहता, गोंदिया, महाराष्ट्र

शब्दवर्गपहेली क्र.- 253

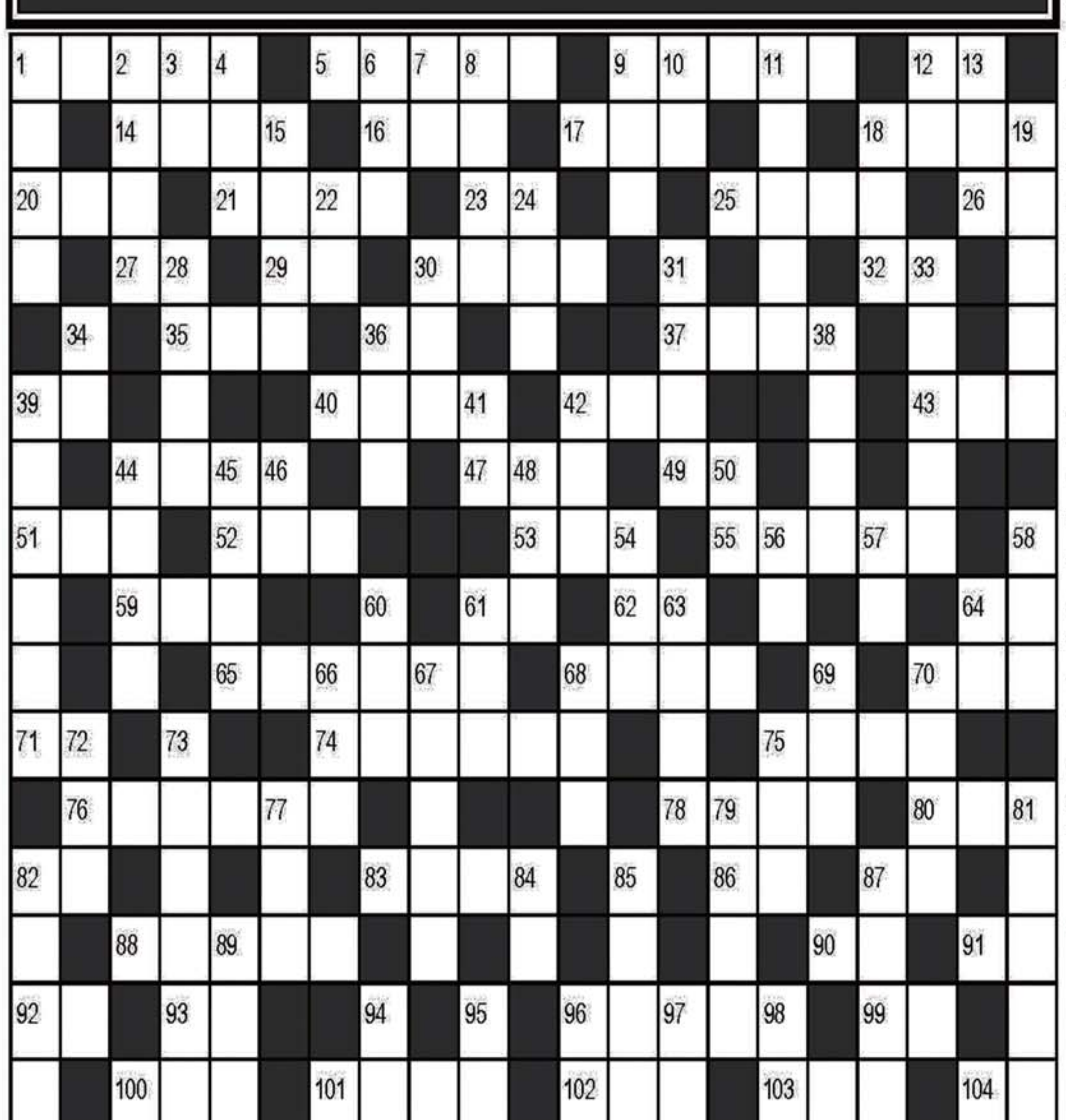

ck;I I nk;I !& 1) चिन्ता के कारण रात में नीन्द न आना इस अर्थ का एक मुहावरा 5) आत्मीयता, अपना होने का भाव 9) वह कागज जिसपर लिखा हुआ लेख किसी बात का प्रमाण हो 12) किसी पौधे का कड़ा और नुकीला अंकुर 14) रथ का पहिया 16) किसी प्रिय जन के वियोग से होनेवाला दुःख 17) बेटी का पति 18) लड़कपन, बाल्यावस्था 20) बायां का उलटा, दक्षिण 21) केवल नाम के लिये, अल्प 23) वह शब्द जिससे किसी व्यक्ति का बोध हो 25) प्रचार करनेवाला 26) नृत्य, नाच 27) बारीक सूजी 29) शकित, ताकद 30) सूर्य 32) छोटे डील–डौल का 35) बुद्धिमान, सावधान 36) शुष्क, जो गीला न हो 37) विरोध, बदला 39) कान में पहनने का एक आभूषण 40) लिखित आज्ञापत्र, आदेशपत्र 42) उन्नति, आगे बढ़ने का भाव 43) बिल्ली (सं.) 44) आपका 47) हेतू, उद्देश्य, साधन 49) आनंद, मनोविनोद, जायका 51) चौदहों भुवनों का समूह, सम्पूर्ण विश्व 52) नाश करनेवाला 53) विजय, एक रागिनी का नाम 55) किसी चीज को ढुंढ़ लेना 59) किसी वस्तु को आग या कढ़ाई में डालकर सुखा पकाना 61) नोंक, अग्रभाग, सिरा 62) पति, नाथ 64) वह द्रव्य जिससे कोई वस्तु बनी हो 65) भय से उत्पन्न कंपकंपी 68) नाव का वह पुरजा जो नाव के की पीछे की ओर लगा होता है, जिसके द्वारा नाव मोड़ी या घुमाई जाती है 70) सरीखा, तुल्य, बराबर 71) मध्य प्रदेश का एक जिला मुख्यालय 74) बहुतसी संपत्ती अचानक प्राप्त होना 75) प्राचीन काल से चला आता हुआ 76) कुदृष्टि का प्रभाव पड़ना 78) अपराध की शिकायत, दुहाई 80) बिलकुल चुप रहने का भाव, निःशब्दता 82) स्थापित करना, निश्चित करना 83) जो केवल देखने योग्य हो पर किसी काम न आ सके 86) निषेध, रोकना 87) जल 88) गगनमंडल, आकाश 90) घ्राणेंद्रिय 91) प्यार, अनुराग 92) भुजा, बाहू 93) हनुमानजी का शस्त्र 96) एकमत 99) संध्या 100) बहुत ऊंचा स्तंभ 101) वह पदार्थ जिसमे नमक का स्वाद हो 102) चंचल, हिलता हुआ 103) ताश के पत्तों में से एक 104) लोहे की कील, सूली

Åij I uhpi !& 1) आदेश का पालन करनेवाला, सेवक 2) काठियावाड़ प्रान्त का एक पर्वत 3) महाराष्ट्रीयन स्त्रियोंद्वारा नाक में पहना जानेवाला एक गहना 4) नृत्य करना 6) शुद्ध, निर्मल, पाक 7) नारी,, स्त्री 8) पहनने का मुख्य वस्त्र, पहनने का ढंग 9) असावधानी, अन्तःकरण की दुर्बलता 10) हर्ष, प्रसन्नता 11) रोगी की सेवा करनेवाली सेविका 12) शीशा 13) घोड़े का पैर पटकना 15) सिलसिलेवार, क्रमयुक्त 18) व्यर्थ की बातें करना 19) नृत्य कला में प्रवीण व्यक्ति, श्रीकृष्ण 22) कीमती सामान 24) बारह राशियों में से एक 28) वसुदेव पुत्र श्रीकृष्ण 30) आडंबर, ऊपरी तड़क भड़क 31) अद्वितीय, अनुपम 33) चैन से दिन बिताना 34) बगीचे में काम करनेवाला 36) कामधेनु, गाय 38) श्रीरामजी का वंश 39) वह जिसने बाल्यावस्था से ही ब्रह्मचर्य व्रत धारण किया हो 41) शहर के प्रवेशद्वार की चौकी 42) प्रेम, प्रिति 44) अन्न भुजनेवाला 45) गरीबों का उद्धार करनेवाला 46) सफलता 48) रात्र, निशा 50) वर्ग, श्रेणी 54) विष्णुजी का एक नाम 56) ज्वालामुखी से निकलनेवाला तप्त रस 57) ग्रहण करना, प्राप्त करना 58) भरण पोषण, रक्षण 60) सबसे अलग, भिन्न 61) न टलनेवाला, स्थिर 63) वेश्या 64) मां का भाई 66) पकड़ना, ठहराना 67) स्नान घर (अरबी) 68) आश्रय, रक्षा, शरण 69) आवाज, शब्द 70) खलबली,, उद्वेग 72) मर्कट, बन्दर 73) दुर्गति होना इस अर्थ का एक मुहावरा 75) समझदार, चतुर 77) विष्णुजी का वाहन 79) जल के छोटी छोटी बुंदों की वर्षा 81) आज का काम कल पर डालना, आज कल करना 82) शान शौकत, सजधज, तड़क भड़क 84) तिलक, व्याख्या 85) सौदा बेचनेवाला, व्यापारी 87) रसोईघर 89) स्वर्ग का एक देववृक्ष 94) अल्प, न्यून 95) पैसा, द्रव्य 96) साधु, महात्मा 97) प्राचीन काल के निषध देश का राजा और दमयंती का पति 98) देह, शरीर (जवाब अगले अंक में) ●

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

मु	स	कु	रा	ना		क	स	म		वि	ज	य	आ	नं	द		सु	रा	पा	न
ला	ली		जा	मी	न		म	द	द		ल		ब	द	श	क	ल		ल	व
का	म	गा	र		र	सा	य	न	शा	स्त्र		स	ह		र	म	ता	रा	म	
त		वा	वि	क		धा		मो			क	र	वा	चौ	थ		न	त		ख
	ये		व		प्र	र	वा	ह		न	र	सों				दा		रा	ह	त
रा		ध	र्मा	च	र	ण		न	ज	दी	क		ब	ल	वा	न		नी	ल	म
म	ल	मा		ला	त		वि	मा	न		म	द	द	गा	र		दा		ध	
दु	त	का	र	ना		म		ल		म	ल	या	ल	म		खू	ब	सू	र	त
ला			ज		म	हा	दे	वी	व	र्मा		वा		ल	ख	न		ना		ब
री	ति	रि	वा	ज		ब		य		ह	व	न		गा	ली		स	प	ना	
सि	ल		ड़ा		सु	ले	ख		भी	त	र		मु	ना	फा		म	न		का
न्हा		अ		नौ		श्व	स	न			दा	द	र			अ	स्त		अ	ज
	अ	ध	म		प	र	ख		हि	र	न		ली	पा	पो	ती		र	म	ल
क	न	क		ह	क		स	प्र	मा	ण		बा	ध	क		त	स	बी	र	
	ब	च	ना		वा	त		सा	ल		श	ह	र		ना	का	म		ना	व
पु	न	रा	ग	म	न		उ	द	य	शं	क	र		अ	का	ल		मं	थ	न

anumeya-08446302691

बहुत है..

दोस्तों से मेरी यारी बहुत है
सच कहूं तो खुद्दारी बहुत है

निभाना भी बखूबी जानता हूँ
मेरे हिस्से में जिम्मेदारी बहुत है

मेरे दोस्तों ने हौसला बख्शा है
मुश्किलें कुछ तो भारी बहुत है

खुद को,सभी को खुश भी रखना है
उलझने और
दुनियादारी बहुत है

मांगते कम और
सब छीनते ज्यादा
लोगो की यहाँ
हिस्सेदारी बहुत है

माना कि, मुकाबला
भी कड़ा है
अभी जंग जिंदगी
से जारी बहुत है

लेखक

किशोर छिपेश्वर 'सागर', बालाघाट

कैसी तेरी निती..

कैसी तेरी निती, कैसी तु सरकार रे
जनता है परेशान मज़े में ठेकेदार रे।

बनते पुल टुट रहे, सड़कें बह रही है
विकास से ज्यादा हो रहे भ्रष्टाचार रे।

एक एक चीज देश की बिकते जा रही
चोर को बना डाला हमने चौकीदार रे।

बलात्कारी को टिकट, Z+ है सुरक्षा
अपराधियों पर सत्ता के है उपकार रे।

बेटी बचाव का नारा है जिस देश में
वहीं पर हो रहे हैं ज्यादा बलात्कार रे।

लेखक

संजय अश्क
पुलपुट्टा, बालाघाट
9753633830

जग प्रेरणा

व्यापार समाचार

● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

रुपया एक पैसे के नुकसान के साथ 95.45 रुपये प्रति डॉलर पर

मुंबई, (भाषा)।

अमेरिकी मुद्रा में मजबूती और घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच रुपये ने शुरुआती बढ़त गंवा दी और बृहस्पतिवार को कारोबार के अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसे की मामूली गिरावट के साथ 95.45 पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक बाजार में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती ने कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से मिले समर्थन को बेअसर कर दिया।

ईरान और ओमान के बीच जलडमरूमध्य से होकर अस्थायी नौवहन गलियारा बनाने को लेकर जारी बातचीत के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत कई कारोबारी सत्रों में पहली बार 90 डॉलर के स्तर से नीचे आई है।

कारोबारियों ने बताया कि हालांकि अभी कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है, लेकिन बातचीत जारी रहने से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान की आशंका कम हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.40 के उच्च स्तर तक गया और 95.56 के निचले स्तर तक आया। अंत में यह 95.45 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट है। रुपया मंगलवार को 26 पैसे की बढ़त के साथ 95.44 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

'ईद-ए-मिलाद' के अवसर पर बुधवार को भारतीय विदेशी मुद्रा बाजार बंद था। कोटक सिक्योरिटीज के जिंस एवं मुद्रा शोध प्रमुख अनिंद्य बनर्जी ने कहा, ''विशेष मुद्रा अदला-बदली सुविधा के तहत 21 अगस्त तक करीब 73 अरब डॉलर का कुल प्रवाह हुआ। इसमें केवल विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा के जरिये 65 अरब डॉलर से अधिक आए हैं। यह वर्ष 2013 की चर्चित योजना के तहत जुटाई गई राशि से करीब ढाई गुना है। 31 अगस्त की जमा की समयसीमा को लेकर अंतिम दौर के प्रवाह और दिसंबर तक खुली विदेशी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) खिड़की को देखते हुए हमारा अनुमान है कि इन योजनाओं के तहत कुल प्रवाह 85 से 90 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।''

उन्होंने कहा कि इससे विदेशी मुद्रा का मजबूत भंडार तैयार हुआ है और इसका मतलब है कि रुपये की बढ़त की संभावनाएं अभी काफी हद तक इस्तेमाल नहीं हुई हैं।

उन्होंने कहा, ''हमारा अनुमान है कि रुपया 95 से 96 के दायरे के बीच रह सकता है...हम भारतीय रुपये को लेकर आशावादी बने हुए हैं।''

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत बढ़कर 99.21 पर कारोबार रहा।

घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 539.35 अंक टूटकर 76,933.59 अंक पर जबकि निफ्टी 116.90 अंक की गिरावट के साथ 24,090.85 अंक पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा कारोबार में 0.61 प्रतिशत चढ़कर 88.38 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने बृहस्पतिवार को 298.26 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिक्री की।

सुभाष चंद्रा मामले में समाधान योजना का मतलब 22,000 करोड़ रुपये कर्ज को छोड़ना नहीं: सूत्र..

नई दिल्ली, (भाषा)।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा एस्सेल समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा की पुनर्भुगतान योजना को मंजूरी देने का यह मतलब नहीं है कि बैंकों ने 22,000 करोड़ रुपये के कर्ज में से 99.97 प्रतिशत रकम को छोड़ दिया है।

सूत्रों ने एनसीएलटी के आदेश का हवाला देते हुए यह बृहस्पतिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि 22,006 करोड़ रुपये की राशि चंद्रा के खिलाफस्वीकार किए गए दावों को दर्शाती है। ये दावे कई एस्सेल/जी समूह से जुड़ी कंपनियों के कर्ज के लिए चंद्रा की व्यक्तिगत गारंटी के संबंध में हैं, न कि व्यक्तिगत रूप से लिए गए कर्ज को लेकर है।

सूत्रों ने कहा कि एनसीएलटी के आदेश को समझने के लिए यह अंतर महत्वपूर्ण है। योजना के तहत चंद्रा की निजी संपत्ति से करीब 6.25 करोड़ रुपये की वसूली का प्रावधान है। हालांकि, मूल कॉरपोरेट कर्जदार अपने कर्ज के लिए जिम्मेदार बने रहेंगे। पुनर्भुगतान योजना में चंद्रा के व्यक्तिगत योगदान के अलावा इन कर्जदार कंपनियों द्वारा करीब 1,494 करोड़ रुपये के भुगतान का प्रावधान है।

रिपोर्टों के जवाब में बताए गए तथ्यों के अनुसार, स्वीकार किए गए दावों में से केवल करीब 2,574 करोड़ रुपये के कर्ज के लिए चंद्रा ने मूल रूप से कर्ज लेते समय व्यक्तिगत गारंटी दी थी। अन्य ज्यादातर गारंटी बाद में अतिरिक्त सुरक्षा के रूप में दी गई थीं।

इसलिए विभिन्न रिपोर्टों में बताया गया कर्ज में 99.97 प्रतिशत का 'हेयरकट' यानी कटौती विशेष रूप से व्यक्तिगत गारंटर के रूप में चंद्रा से वसूल की जाने वाली राशि से संबंधित है। इसे 22,006 करोड़ रुपये के बैंक कर्ज पर 99.97 प्रतिशत के नुकसान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। चंद्रा के खिलाफ दिवाला कार्यवाही तब शुरू हुई जब उन्होंने इंडियाबुल्स से विवेक इन्फ्राकॉन द्वारा लिए गए कर्ज की व्यक्तिगत गारंटी दी थी। कर्ज चुकाने में चूक के बाद बैंकों ने गारंटर के तौर पर चंद्रा के खिलाफदिवाला कार्यवाही शुरू की। सूत्रों के अनुसार, मंजूर पुनर्भुगतान योजना को मतदान के आधार पर 80.81 प्रतिशत कर्जदाताओं का समर्थन मिला था। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, केनरा बैंक, आरबीएल बैंक और यूनियन बैंक समेत कई कर्जदाताओं ने योजना का विरोध किया था। हालांकि, राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने माना कि उनकी आपत्तियां कर्जदाताओं की मंजूर समाधान योजना को खारिज करने के लिए पर्याप्त नहीं थीं।

कर्जदाताओं के पास मूल कर्जदार कंपनियों, उनकी प्रतिभूतियों और अन्य उपलब्ध परिसंपत्तियों के खिलाफवसूली के विकल्प भी बने हुए हैं।

सूत्रों ने कहा कि व्यक्तिगत स्तर पर अपेक्षाकृत कम वसूली का कर्जदाताओं ने विरोध किया था। उन्होंने ऐतिहासिक नेटवर्थ प्रमाणपत्रों का हवाला दिया। इनके अनुसार 2017 में चंद्रा की कुल संपत्ति करीब 45,888 करोड़ रुपये और 2018 में 40,562 करोड़ रुपये थी। इसके मुकाबले वर्तमान में बताई गई उनकी कुल संपत्ति करीब 31.79 करोड़ रुपये है। कर्जदाताओं ने उनकी संपत्तियों की गहन जांच की मांग की थी।

चंद्रा के बयान में यह भी दावा किया गया है कि कंपनियां अब तक कर्जदाताओं को करीब 43,000 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी हैं।

सूत्रों ने कहा कि यह मामला चंद्रा की व्यक्तिगत गारंटी के तौर पर देनदारी के समाधान से जुड़ा है और इसे एस्सेल/जी समूह से जुड़ी मूल कंपनियों पर बकाया पूरे कर्ज के निपटान या बट्टे खाते में डालने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि चंद्रा का मामला व्यक्तिगत गारंटर से जुड़ा एक असाधारण समाधान है और इसे दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत कॉरपोरेट दिवाला मामलों में हुई वसूली के रूप में नहीं देखा जा सकता।

आंकड़ों के अनुसार, मार्च, 2026 तक मंजूर समाधान योजनाओं के जरिये कर्जदाताओं ने करीब 4.32 लाख करोड़ रुपये की वसूली की है। यह वसूली परिसमापन मूल्य का 116.85 प्रतिशत और उचित मूल्य का 94.56 प्रतिशत है।

आईबीसी लागू होने के बाद से 32,000 से अधिक मामलों का दिवाला कार्यवाही में प्रवेश से पहले ही निपटान किया जा चुका है। इनमें करीब 14 लाख करोड़ रुपये की परिसंपत्तियां शामिल थीं।

इस बीच, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) यानी फंसा कर्ज मार्च, 2018 के 5.94 प्रतिशत से घटकर सितंबर, 2025 में 0.48 प्रतिशत रह गया। इस दौरान राशि के रूप में यह करीब 5.2 लाख करोड़ रुपये से घटकर 94,000 करोड़ रुपये रह गई। सूत्रों ने आईआईएम अहमदाबाद के एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि दिवाला प्रक्रिया के तहत समाधान वाली कंपनियों की बिक्री में 76 प्रतिशत, कुल परिसंपत्तियों में 50 प्रतिशत, कर्मचारियों पर खर्च में 50 प्रतिशत और पूंजीगत व्यय में 130 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

सूत्रों ने कहा कि ये आंकड़े बताते हैं कि चंद्रा के मामले को व्यापक कॉरपोरेट दिवाला समाधान के रिकॉर्ड से अलग करके देखा जाना चाहिए। चंद्रा की निजी संपत्तियों से 6.25 करोड़ रुपये की वसूली एक गारंटर की परिसंपत्तियों से संबंधित है। वहीं, मूल कंपनियों के खिलाफकर्जदाताओं के दावे और उनकी प्रतिभूतियों से जुड़ी वसूली की प्रक्रिया अलग से जारी है।

खुदरा बाजार में चीनी का दाम मामूली घटकर 64.33 रुपये प्रति किलोग्राम पर

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार द्वारा आयात की अनुमति देने, स्टॉक रखने पर पाबंदी लगाने और जमाखोरों के खिलाफकार्रवाई करने के बाद बृहस्पतिवार को खुदरा बाजार में चीनी की कीमतें मामूली रूप से घटकर 64.33 रुपये प्रति किलोग्राम रह गईं।

उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बृहस्पतिवार को चीनी की अखिल भारतीय औसत दर 64.33 रुपये प्रति किलोग्राम है, जो 26 अगस्त को 65.05 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

सरकार द्वारा 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने के बाद मिल दरों में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद चीनी की खुदरा कीमतें ऊंची बनी रहीं।

चीनी की मौजूदा औसत कीमत एक महीने पहले के स्तर से 31 प्रतिशत और एक साल पहले की कीमतों से 39 प्रतिशत अधिक है।

आंकड़ों से पता चलता है कि बृहस्पतिवार को चीनी का अधिकतम बिक्री मूल्य 76 रुपये प्रति किलोग्राम था, जबकि सबसे मॉडल दर 65 रुपये प्रति किलोग्राम थी। बृहस्पतिवार को एक बयान में, भारतीय चीनी एवं जैव-उर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) ने कहा, ''हाल के उच्चतम स्तर से चीनी की कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि आपूर्ति-पक्ष के उपाय और बाजार में बेहतर स्थिति का असर दिखने लगा है। उम्मीद है कि यह गिरावट जारी रहेगी क्योंकि त्योहारी खरीदारी सामान्य हो रही है और आने वाले सप्ताहों में नई चीनी उपलब्ध हो जाएगी।''

कीमतों को नियंत्रित करने के लिए, केंद्र ने हाल ही में 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के आयात की अनुमति दी है। इसने डीलर के साथ-साथ पेय पदार्थ बनाने वाली कंपनियों जैसे थोक उपभोक्ताओं पर स्टॉक रखने की सीमा तय की है। कुछ महीने पहले ही निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

इस्मा के अनुसार, विपणन वर्ष 2025-26 (अक्टूबर-सितंबर) में भारत का शुद्ध चीनी उत्पादन (एथनॉल के लिए इस्तेमाल को अलग करने के बाद) लगभग 279 लाख टन रहने का अनुमान है, जबकि शुरुआती स्टॉक या पहले का बचा स्टॉक 50 लाख टन था।

वार्षिक घरेलू मांग 280-285 लाख टन रहने का अनुमान है, जबकि सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाने से पहले देश ने आठ लाख टन चीनी का निर्यात किया था। इस्मा ने सितंबर के आखिर में पहले का बचा स्टॉक 35 लाख टन रहने का अनुमान लगाया है। संघ ने बताया कि मौजूदा विपणन वर्ष में कुल 309 लाख टन चीनी के उत्पादन में से 30 लाख टन चीनी को दूसरे कामों में इस्तेमाल करने (डायवर्ट करने) का अनुमान है। इस्मा ने शुरू में अनुमान लगाया था कि विपणन वर्ष 2025-26 में देश का कुल चीनी उत्पादन 345 लाख टन होगा, लेकिन बाद में खराब मौसम और कीड़ों की वजह से गन्ने की फसल पर असर पड़ने के कारण इस अनुमान को घटा दिया गया।

हरित ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य हासिल करने के लिए 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश की जरूरत: जोशी

मुंबई, (भाषा)।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2030 तक स्वच्छ ईंधन आधारित 500 गीगावाट क्षमता का लक्ष्य हासिल करने के लिए अगले पांच वर्षों में 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा कि इस पूंजी का एक बड़ा हिस्सा भारतीय वित्तीय संस्थानों, पूंजी बाजार, बीमा कोष, बुनियादी ढांचा निवेशकों और निजी पूंजी के माध्यम से जुटाना होगा।

जोशी ने राष्ट्रीय राजधानी में दो से पांच नवंबर तक आयोजित होने वाले चार दिवसीय नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (बीआरईएसई) 2026 से पहले आयोजित प्रचार-प्रसार कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि देश में तेजी से हो रहे बुनियादी ढांचे के विकास के बीच हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश और सहयोग के बड़े अवसर हैं।

जोशी ने कहा, ''2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म (हरित) ईंधन क्षमता का लक्ष्य हासिल करने के लिए अगले पांच वर्षों में 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की आवश्यकता होगी।'' नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की मेजबानी में तथा भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम शिखर सम्मेलन से पहले देशभर में आयोजित किए जा रहे प्रचार-प्रसार कार्यक्रमों की श्रृंखला का दूसरा आयोजन था।

इस कार्यक्रम में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार तथा देश के नवीकरणीय ऊर्जा, बैंकिंग और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए।

देश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की वृद्धि का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि देश में स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता करीब 302-303 गीगावाट हो गई है। वहीं, पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत करीब 53.5 लाख परिवार छतों पर सौर प्रणाली लगा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत की हरित ऊर्जा क्षमता 80.3 गीगावाट से बढ़कर 300.5 गीगावाट हो गई है। इसमें 275 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी अवधि में सौर ऊर्जा क्षमता 2.8 गीगावाट से बढ़कर 165 गीगावाट और पवन ऊर्जा क्षमता करीब 21 गीगावाट से बढ़कर 58 गीगावाट हो गई।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में 17 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी गयी है। इसमें 14.33 गीगावाट सौर ऊर्जा और दो गीगावाट से अधिक पवन ऊर्जा क्षमता शामिल है। आगामी शिखर सम्मेलन में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े सभी पक्षों की भागीदारी का आह्वान करते हुए जोशी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस सम्मेलन को लेकर काफी रुचि है।

बीआरईएसई 2026 में तीन प्रमुख वैश्विक सम्मेलन...बीआरई शिखर सम्मेलन एवं प्रदर्शनी, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की नौवीं आमसभा और हरित हाइड्रोजन पर चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन... एक ही स्थान पर आयोजित होंगे।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन में 75 से अधिक देशों के प्रमुख और ऊर्जा मंत्री, वैश्विक संस्थागत निवेशक, प्रौद्योगिकी कंपनियां तथा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े 25,000 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है।

एसएंडपी ग्लोबल ने भारत की साख रेटिंग 'बीबीबी' पर बरकरार रखी, परिदृश्य स्थिर

नई दिल्ली, (भाषा)।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बृहस्पतिवार को भारत की संप्रभु साख रेटिंग को स्थिर परिदृश्य के साथ 'बीबीबी' पर बरकरार रखा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत गतिशील एवं तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है

और यहां नीतिगत स्थिरता तथा बुनियादी ढांचे में ऊंचा निवेश जारी है। अगस्त, 2025 में एसएंडपी ने 18 साल के अंतराल के बाद भारत की दीर्घकालिक संप्रभु साख रेटिंग को 'बीबीबी-माइनस' से बढ़ाकर 'बीबीबी' किया था।

एसएंडपी ने कहा कि सार्वजनिक निवेश और उपभोक्ता मांग अगले दो-तीन वर्षों में भारत की ठोस आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं को समर्थन देंगे। उसने नीतियों में निरंतरता की उम्मीद जताते हुए कहा कि इससे आर्थिक सुधारों और राजकोषीय मजबूती को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अमेरिकी रेटिंग एजेंसी ने कहा कि केंद्र में गठबंधन सरकार होने के बावजूद लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास पर्याप्त बहुमत होना आर्थिक सुधारों को लागू करने के सरकार के प्रयासों के लिए अनुकूल है। एसएंडपी ने भारत की दीर्घकालिक 'बीबीबी' और अल्पकालिक 'ए-2' संप्रभु साख रेटिंग बरकरार रखी। दीर्घकालिक रेटिंग का परिदृश्य स्थिर है।

'बीबीबी' निवेश-योग्य श्रेणी की रेटिंग है। इसका मतलब है कि देश के पास अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताएं पूरी करने की पर्याप्त क्षमता है। लेकिन ऊंची रेटिंग वाले देशों की तुलना में प्रतिकूल आर्थिक परिस्थितियों के प्रति इसकी संवेदनशीलता अधिक है।

एसएंडपी ने कहा कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों और कृषि क्षेत्र की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि कुछ धीमी पड़ सकती है। हालांकि, आर्थिक बुनियाद मजबूत रहने और अगले दो-तीन वर्षों में तेज वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है।

एजेंसी ने कहा कि सरकार की कमजोर राजकोषीय स्थिति, कर्ज का ऊंचा बोझ और प्रति व्यक्ति कम सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) भारत की रेटिंग पर दबाव डालने वाले कारक हैं।

एसएंडपी ने चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। वित्त वर्ष 2025-26 में अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत बढ़ी थी। एजेंसी ने अगले तीन वर्षों में औसत वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। एसएंडपी ने कहा कि अगले 24 महीनों में आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं के साथ स्थिर राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतियां सरकार के ऊंचे कर्ज और ब्याज बोझ को सीमित करने में मदद करेंगी।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, बुनियादी सेवाओं की उपलब्धता में कमी का सामना कर रहा है। बेहतर भौतिक बुनियादी ढांचा अधिक निजी निवेश और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए जरूरी है।

एजेंसी ने कहा कि सरकार पूंजीगत व्यय बढ़ाकर इस कमी को दूर करने का लगातार प्रयास कर रही है। इसके साथ ही सरकार ने सब्सिडी पर बजट खर्च का हिस्सा कम किया है और राजकोषीय मजबूती की दिशा में भी कदम उठाए हैं।

हालांकि, देश को ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं की ऊंची कीमतों के कारण निकट अवधि में मुद्रास्फीति संबंधी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। एसएंडपी को मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लक्ष्य दायरे में रहने की उम्मीद है।

इस महीने की शुरुआत में फिच रेटिंग्स ने भारत की रेटिंग को 'बीबीबी-माइनस' पर बरकरार रखा था।

भारत में डेटा सेंटर की स्थापित क्षमता 2030 तक तीन गुना होकर छह गीगावाट होगी..

नई दिल्ली, (भाषा)।

भारत में डेटा सेंटर की स्थापित क्षमता 2030 में करीब तीन गुना होकर पांच-छह गीगावाट हो सकती है। बाजार शोध कंपनी रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स ने बृहस्पतिवार को यह अनुमान जताया है।

भारत में डेटा सेंटर की स्थापित क्षमता वर्तमान में करीब 1.65 गीगावाट है। रेडसीर की रिपोर्ट के मुताबिक, डेटा सेंटर की मांग बढ़ने के पीछे डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) तथा बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के क्षेत्रीय नियमों के तहत डेटा को स्थानीय स्तर पर रखने की जरूरत, बढ़ती डेटा खपत और कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े कामकाज प्रमुख कारण हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में डेटा सेंटर स्थापित करने की लागत भी अपेक्षाकृत कम है और यह करीब 80 लाख डॉलर प्रति मेगावाट है।

रेडसीर की 'इंडिया डेटा सेंटर्स' रिपोर्ट में कहा गया, ''2025 में डेटा सेंटर की स्थापित क्षमता करीब 1.65 गीगावाट थी, जिसके 2030 तक पांच-छह गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। यह 2020 से दशक के दौरान 27-32 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्शाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक पांच-छह गीगावाट की आईटी लोड क्षमता का मतलब करीब सात से नौ गीगावाट बिजली ग्रिड से लेने की जरूरत होगी। इसके लिए करीब पांच गीगावाट अतिरिक्त ग्रिड क्षमता को सुरक्षित, अनुबंधित और चालू करने की जरूरत होगी, जबकि मौजूदा स्तर करीब 2.7 गीगावाट का है।देश में स्थापित डेटा सेंटर क्षमता में मुंबई की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है। मुंबई और चेन्नई मिलकर करीब 66 प्रतिशत क्षमता रखते हैं।

सुश्रृत वात क्लिनिक
डॉ. आकाश अनिल शेंडे
बी.ए.एम.एस. (नाशिक)
वात रोग तज्ञ
जनरल फिजिशियन
Regi L - 114791-A
कमर दर्द, सायटिका, आमवात, अस्थीवात, गठियावात, लकवा, नसों का दर्द (मोंदरा) एवं कमर गैप आदि वात रोगों का उपचार..
पता - भिलाई रोड, भारती लॉन के सामने, लांजी मो. 8637707202

जग प्रेरणा
लांजी किरनापुर हट्टा
● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साडरा ● हिर्री ● रजेगांव

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जगह-जगह विद्युत केबल लाइन खराब होने व जर्जर पोल दे रहे दुर्घटनाओं को आमंत्रण..

वनांचल क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था लड़खड़ाई..

जगप्रेरणा लांजी।

ग्राम पंचायत कंसूली के वनांचल क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था की बदहाली अब ग्रामीणों के लिए परेशानी के साथ खतरे का सबब बन गई है। राजीव गांधी

विद्युत मिशन के अंतर्गत बिछाई गई विद्युत केबल केराटोला और गुवारी टोला में जगह-जगह खराब हो चुकी है। हालात यह हैं कि केराटोला मंदिर के सामने बिजली का तार जमीन से सटकर गिरा हुआ है। इसी रास्ते से ग्रामीणों का आना-जाना बना रहता है, ऐसे में किसी भी वक्त गंभीर हादसा होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों के मुताबिक मंदिर के सामने गिरे तार के अलावा क्षेत्र में एक विद्युत पोल भी बेहद जर्जर हालत में पहुंच चुका है। पोल कभी भी धराशायी हो सकता है। विद्युत तार और पोल की मौजूदा हालत को देखकर ग्रामीणों में खौफका माहौल है। उनका कहना है कि विभाग को किसी अनहोनी का इंतजार करने के बजाय तत्काल मौके पर पहुंचकर व्यवस्था दुरुस्त करनी चाहिए।

पहले भी हो चुका है दर्दनाक हादसा..

कंसूली क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए विद्युत तार का यह खतरा नया नहीं है। पिछले वर्ष इसी इलाके में विद्युत तार टूटने से हुए दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही जान चली गई थी। उस घटना की टीस अभी पूरी तरह मिटी भी नहीं है कि एक बार फिर जर्जर विद्युत लाइन और गिरते पोल ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि पुराने हादसे से सबक लेते हुए विद्युत लाइनों और पोल की नियमित निगरानी जरूरी थी, लेकिन वनांचल क्षेत्र में व्यवस्था अब भी पटरी पर आती नजर नहीं आ रही है। खासकर बरसात के दिनों में जमीन के संपर्क में आए विद्युत तार से खतरा और बढ़ जाता है। ऐसे में छोटी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का सबब बन सकती है।

वनांचल क्षेत्र, फिर भी इंतजामों पर सवाल..

कंसूली सहित आसपास का इलाका वनांचल क्षेत्र में आता है। यह क्षेत्र पूर्व में नक्सल प्रभावित भी रहा है। भौगोलिक और परिस्थितिजन्य चुनौतियों के बावजूद ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाओं के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। ऐसे इलाके में विद्युत व्यवस्था का मजबूत और सुरक्षित होना बेहद जरूरी है। इसके बावजूद जर्जर केबल और कमजोर पोल का लंबे समय तक बने रहना विभागीय व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत तार जमीन पर गिरा होने की सूचना संबंधित स्तर पर दी जा चुकी है। इसके बावजूद यदि समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो किसी भी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहेगी। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर खराब केबल को तत्काल बदला जाए और जर्जर पोल को हटाकर नया पोल लगाया जाए।

सरपंच ने की तत्काल कार्रवाई की मांग..

ग्राम पंचायत कंसूली के सरपंच लीलाराम मानकर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की है। सरपंच का कहना है कि केराटोला मंदिर के सामने जमीन से सटकर गिरा विद्युत तार ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। वहीं जर्जर पोल भी कभी भी गिर सकता है। ग्रामीणों की मांग है कि विभागीय अमला मौके पर पहुंचकर विद्युत लाइन की पूरी जांच करे और जहां.जहां तार व पोल खराब स्थिति में हैं, वहां आवश्यक सुधार कराया जाए। लोगों का कहना है कि पिछले साल हुई तीन लोगों की मौत जैसी त्रासदी दोबारा न हो, इसके लिए एहतियाती कदम उठाना बेहद जरूरी है।

बिरसा ब्लॉक में बैगा बच्चों की मौत को लेकर निकली कैंडल रैली..

ज्ञापन सौंपकर मुआवजे की मांग

जगप्रेरणा लांजी।

बैगा बाहुल्य दूरस्थ अंचलों में संक्रमण एवं विभिन्न बीमारियों के कारण हुई 25 मासूम बच्चों की मौत के मामले को लेकर बुधवार 27 अगस्त को आदिवासी समाज लांजी द्वारा कैंडल रैली निकाली गई।

नगर के सालेटेकरी रोड स्थित गोंडवाना भवन से दोपहर 3 बजे शुरू हुई रैली एसडीएम कार्यालय पहुंची, जहां समाज के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

कैंडल रैली के दौरान दिवंगत बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके परिवारों को न्याय एवं उचित मुआवजा दिलाने की मांग उठाई गई। आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि बैगा बाहुल्य ग्रामों एवं दूरस्थ क्षेत्रों में समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलने, संक्रमण व बीमारियों तथा कथित प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य विभागीय लापरवाही के कारण यह गंभीर स्थिति निर्मित हुई है। ज्ञापन में कहा गया है कि बड़ी संख्या में बच्चों की मौत के बाद शासन-प्रशासन द्वारा मलेरिया अधिकारी मनीषा जुनेजा एवं टीकाकरण अधिकारी डॉ. परेश उपलप को उनके प्रभार से हटाया गया है। समाज ने इसे पर्याप्त कार्रवाई नहीं बताते हुए दोनों अधिकारियों को निलंबित करने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने की मांग..

ज्ञापन में बैगा बाहुल्य ग्रामीण एवं अनाचल क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम, आवश्यक दवाइयों और एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है। संगठन का कहना है कि दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी और त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होने से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। ज्ञापन की प्रतिलिपि महामहिम राष्ट्रपति, मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, कलेक्टर बालाघाट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट तथा एसडीएम लांजी को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजे जाने का उल्लेख किया गया है। आदिवासी समाज लांजी ने कहा कि दिवंगत बच्चों की मौत का मामला बेहद गंभीर और संवेदनशील है। संगठन ने शासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर मौत के वास्तविक कारणों को सामने लाया जाए तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

प्रत्येक पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग..

आदिवासी समाज संगठन द्वारा ज्ञापन के माध्यम से बीमारी और कथित प्रशासनिक लापरवाही के कारण जान गंवाने वाले प्रत्येक बच्चे के बैगा परिवार को शासन की ओर से 50-50 लाख रुपये का उचित आर्थिक मुआवजा दिए जाने की मांग की है। साथ ही परिवारों को आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई। वहीं ज्ञापन सौंपने के दौरान श्री मांझी अंतर्राष्ट्रीय समाजवाद आदिवासी संगठन से ऋषिकेश घोरमारे, टुमनलाल घोरमारे, धनीराम इनवाती, अशोक मर्सकोले, इतनेशज उईके, लोकेश भलावी, चंदशेखर जामुरे,देवेन्द्र पन्द्रे, सुखदास मसराम, महेन्द्र उईके, राजकुमार उईके, रुपचंद उईके, राजू सिरसाम, महेंद्र चौके, ललिता धारणे, कौशल्या सिरसाम, संगीता सैयाम, कविता नेवारे सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा, स्वास्थ, संस्कार, सेवा के संदेश के साथ भीमोडी में श्री अखंड रामायण पाठ का विश्राम..

ग्रामीण अंचल में भारी उत्साह..

आज दुल्लापुर में 30 वे अखंड रामायण पाठ का समापन..

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी-किरनापुर क्षेत्र के ग्राम भीमोडी में अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ समिति, स्थानीय ग्राम समितियों एवं अभिनंदन लाइफ़

फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ का 26 अगस्त से शुभारंभ होकर 27 अगस्त को विश्रांति के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक आयोजन के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, नशामुक्ति एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ के शुभारंभ अवसर पर भगवान श्रीराम, माता सीता एवं लक्ष्मण की पूजा अर्चना की गई। नगर कीर्तन साथ निकली यात्रा ने पूरे गांव का भ्रमण किया। जगह-जगह ग्रामीणों ने दीप सजाकर, पूजा की थाली एवं रंगोली बनाकर भगवान श्रीराम, माता सीता एवं लक्ष्मण का स्वागत किया। बैंड एवं भजनों के साथ निकली राम यात्रा में ग्रामीणों की श्रद्धा और उत्साह देखते ही बनता था।

शिक्षा, संस्कार और बच्चों की प्रतिभा विकास पर जोर..

कार्यक्रम में संतजनों, प्रबुद्ध नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं ग्रामीणों श्रीरामचरितमानस के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।वक्ताओं ने कहा कि श्रीरामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आदर्श जीवन, सामाजिक समरसता, सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देता है। ग्रामीण बच्चों को शिक्षा के महत्व, नियमित अध्ययन, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सामाजिक एवं शिक्षाप्रद संदेश दिए। ग्रामीणों ने बच्चों की प्रतिभा को आगे बढ़ाने और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हरसंभव सहयोग का संकल्प लिया।

पौधारोपण अभियान – हर पौधा, धरती के भविष्य की उम्मीद..

'एक पौधा लगाएं, प्रकृति बचाएं – स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन अपनाएं।'

अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ एवं सेवा गतिविधियों के अंतर्गत पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना और अधिक से अधिक पौधे लगाकर हरियाली को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों एवं ग्रामीणजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधारोपण किया। सभी ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं सुरक्षा का संकल्प भी लिया। अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ के दौरान हवन-यज्ञ के साथ गौ माता का पूजन किया गया तथा गौ संरक्षण का संकल्प लिया गया। पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ गांव में 25 पौधों का पौधारोपण किया गया। ग्रामीणों एवं महिला मंडल समितियों ने पौधों की देखभाल और उन्हें बच्चों की तरह संरक्षण देने का संकल्प लिया।

दिव्यांगजनों के लिए जयपुर फुट एवं आर्टिफिशियल हैंड सेवा..

ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे लोगों को चिन्हित किया जा रहा है जिनके हाथ-पैर जन्मजात रूप से नहीं हैं अथवा दुर्घटना में कट गए हैं। ऐसे जरूरतमंद दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम हाथ-पैर उपलब्ध कराने की पहल की जा रही है। अब तक अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ कार्यक्रमों के माध्यम से 5 जरूरतमंद लोगों को चिन्हित किया जा चुका है। आयोजकों ने बताया कि सावन माह में चल रहे कार्यक्रमों के दौरान भी ऐसे जरूरतमंद लोगों की जानकारी एकत्रित की जाएगी। पात्र व्यक्ति अथवा उनके परिजन आधार कार्ड, डॉक्टर का प्रमाण-पत्र, कटे हुए अंग का फोटो तथा निवास प्रमाण-पत्र अथवा राशन कार्ड साथ लेकर संपर्क कर सकते हैं।

धर्म के साथ मानव सेवा का संदेश

कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को संदेश दिया गया कि धार्मिक आयोजनों के साथ समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति और संस्कार निर्माण जैसे कार्यों को जोड़कर समाज के सर्वांगीण विकास की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। आयोजकों ने कहा कि ÷मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है÷ और इसी भावना के साथ सावन माह में 30 गांवों में अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

ग्राम दुल्हापुर में भी अखण्ड पाठ का शुभारंभ..

इसी क्रम में ग्राम दुल्हापुर में स्थानीय नागरिकों, ग्राम समितियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से 27 अगस्त 2026 को संगीतमय अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का समापन 28 अगस्त को विश्रांति के साथ स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान एवं महाप्रसाद के साथ किया गया। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से धार्मिक एवं सामाजिक सेवा के इस आयोजन में सहभागिता का आग्रह किया।

कौशल्यम कार्यक्रम अंतर्गत राखी उत्सव कार्यशाला का आयोजन..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में **IQAC** के फ्लैगशिप कार्यक्रम, कौशल्यम के अंतर्गत समाजशास्त्र विभाग, भारतीय ज्ञान परम्परा एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन, प्रकोष्ठ द्वारा 18 अगस्त से 23 अगस्त तक 6 दिवसीय राखी उत्सव कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य डॉ.अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में किया गया जिसका संचालन द्वन्द्वष्ट प्रभारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिमा बिसेन एवं समाजशास्त्र विभाग से डॉ. कंचन मसराम एवं श्रीमती चित्रमाला भिमटे द्वारा किया गया। इस राखी कार्यशाला में 6 दिवसीय प्रशिक्षण का कार्य श्रीमती राजश्री जैसवाल द्वारा दिया गया जिसमें अलग-अलग संकाय के लगभग 50 विद्यार्थियों (छात्र/छात्राओं) ने भाग लिया। 24 अगस्त से 25 अगस्त तक दो दिवसीय राखी उत्सव की प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी जिसका शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे एवं डॉ.पी.एस.कातुलकर द्वारा रिबन काटकर किया गया। व इस राखी कार्यशाला प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा अलग-अलग कलाकृतियों की सुदंर सुदंर लुभावनी राखीयों को रखा, जिसे महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने निहारा एवं खरीदा। इस प्रदर्शनी में भैया-भाभी राखी सभी राखियों में से सबके लिए मनमोहक रही। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में कौशल विकास व परम्परागत त्यौहार से संबंध के साथ ही आत्मनिर्भर बनने हेतु उन्हें प्रेरित करना था। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.पी.एस कातुलकर एवं डॉ. ताराचंद बड़गैय्या द्वारा प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। प्रदर्शनी को सफल बनाने में डॉ.एम.एस.मरकाम, डॉ. भूपेन्द्र ब्रम्हे, डॉ. आशा गोहे, डॉ.पी. कमलेशिया, डॉ.आर.एन झारिया, डॉ.गजानंद कटरे, डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे, डॉ. रचना कोरी, सुश्री.प्राशु गौतम इत्यादि का विशेष सहयोग रहा ।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी मे एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप मे जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगो तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप मे जोड़े और स्वयं और अन्य लोगो को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरो से जोड़े।

TYRE WORLD
(अपोलो टायर्स के अधिकृत विक्रेता)
★ टायर ★ अलाईनमेन्ट
★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन
हिंदुस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया
79991 54494, 98233 95921

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लांजी जिला-बालाघाट (म.प्र.)

।। निविदा सूचना ।।

मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त एवं राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा से संबंद्ध महाविद्यालय सहायक प्राध्यापकों की परिनियम 28(17) के तहत नियुक्ति हेतु आवेदकों से आवेदन पत्र आमंत्रित करता हैं। आवदेन विज्ञापन प्रकाशित होने की तिथि से 21 दिवस के भीतर आमंत्रित हैंः-

क्र.	पद	योग्यता (संबंधित विषय में)	संख्या	रिमार्क
1	सहा. प्राध्यापक गणित	एम.एस.सी. (55 प्रतिशत के साथ), पीएच.डी./नेट/सेट	1	मध्यप्रदेश शासन के नियमानुसार रिक्त पदों पर आरक्षण देय होगा।
2	सहा. प्राध्यापक रसायन शास्त्र	एम.एस.सी. (55 प्रतिशत के साथ), पीएच.डी./नेट/सेट	2	
3	सहा. प्राध्यापक भौतिक शास्त्र	एम.एस.सी. (55 प्रतिशत के साथ), पीएच.डी./नेट/सेट	1	
4	सहा. प्राध्यापक वाणिज्य	एम.कॉम. (55 प्रतिशत के साथ), पीएच.डी./नेट/सेट	1	
5	सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी	एम. ए. अंग्रेजी, (55 प्रतिशत के साथ), पीएच.डी./नेट/सेट	1	
6	सहा. प्राध्यापक अर्थशास्त्र	एम.ए. (55 प्रतिशत के साथ), पीएच.डी. / नेट / सेट	1	

नोटः- 1. उपरोक्त पदो के लिए अर्हताएं एवं आरक्षण यू.जी.सी. के नियमों के आधार पर होगी। 2. वेतनमान यू.जी.सी. के मापदण्ड अनुसार। 3. उम्मीदवार की 2 फोटो, बायोडाटा एवं शैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाण पत्र की स्वयं सत्यापित छायाप्रति। 4. योग्य उम्मीदवार अपना आवेदन विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 21 दिवस के भीतर निम्न पते पर स्वयं उपस्थित होकर / रजिस्टर्ड डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत करे।

प्राचार्य
श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टैक्नालॉजी, लांजी भिलाई रोड लांजी,
जिला-बालाघाट (म.प्र.), पिन कोड 481222
ई-मेल- slkct09@gmail.com,
फोन नं.07635-255888-255999

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
हेमंत नायक
मो. 88273 19933

जग प्रेरणा live मंडला नैनपुर
● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

रक्षाबंधन पर बम्हनी बंजर स्टेशन में उमड़ा जनसैलाब, सुविधाओं की कमी पर यात्रियों का फूटा गुस्सा..

अतिरिक्त कोच नहीं, यूटीएस टिकट रोल खत्म.. प्लेटफॉर्म, शेड और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग..

जगप्रेरणा बम्हनी बंजर (मंडला)।

रक्षाबंधन पर्व के चलते गुरुवार को बम्हनी बंजर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नैनपुर-मंडला फोर्ट रेलखंड पर बहनों सहित बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही के कारण स्टेशन पर दिनभर चहल-पहल बनी रही। भीड़ बढ़ने के बावजूद पर्याप्त यात्री सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने से यात्रियों में नाराजगी देखने को मिली।

यात्रियों का कहना है कि रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण पर्व को देखते हुए मंडला फोर्ट-छिंदवाड़ा और मंडला फोर्ट-जबलपुर पैसेंजर ट्रेनों में अतिरिक्त सामान्य कोच लगाए जाने चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं होने से यात्रियों को खचाखच भीड़ के बीच यात्रा करनी पड़ी। स्टेशन पर अनारक्षित टिकट के लिए ऊ्स रोल समाप्त हो जाने की बात भी सामने आई, जिससे कई यात्रियों को टिकट लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार स्टेशन पर क्रॉसिंग लाइन की सुविधा नहीं होने के कारण ट्रेनों के संचालन में भी सीमाएं बनी हुई हैं। उनका कहना है कि यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन स्टेशन की सुविधाएं आज भी अपेक्षाकृत पुराने स्तर पर हैं।

कभी प्रमुख गुड्स यार्ड हुआ करता था स्टेशन..

रेलवे विकास को लेकर सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बम्हनी बंजर स्टेशन का अतीत काफी महत्वपूर्ण रहा है। छोटी लाइन के दौर में यहां अनाज, वन उपज, खाद, सीमेंट और डोलोमाइट सहित विभिन्न सामग्री के परिवहन के लिए प्रमुख गुड्स यार्ड हुआ करता था। नागरिकों का आरोप है कि समय के साथ स्टेशन की भूमिका सीमित होती गई और अब इसे लगभग साधारण हाल्ट की तरह छोड़ दिया गया है।समाजसेवी अनिरुद्ध शुक्ला (महाराज जी) ने कहा कि स्टेशन के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों, रेलवे प्रशासन और स्थानीय संघर्ष समितियों को एकजुट होकर ठोस पहल करनी होगी। उन्होंने कहा कि स्टेशन के आसपास पर्याप्त रेलवे भूमि उपलब्ध है, जिसका उपयोग अतिरिक्त रेलवे लाइन और भविष्य की यात्री सुविधाओं के विकास के लिए किया जा सकता है।

हाई-लेवल प्लेटफॉर्म सहित सुविधाओं की मांग..

युवा सामाजिक कार्यकर्ता स्वप्निल कुमार ने स्टेशन के उन्नयन की मांग करते हुए कहा कि यहां दो हाई-लेवल प्लेटफॉर्म, पक्का यात्री शेड, पेयजल, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और स्थायी **TS** टिकट काउंटर जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बम्हनी बंजर स्टेशन का विकास होने से आसपास के गांवों के छात्रों, किसानों, मजदूरों और रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही क्षेत्र की आर्थिक और परिवहन गतिविधियों को भी गति मिल सकती है।

स्थानीय नागरिकों ने रेलवे प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि बम्हनी बंजर रेलवे स्टेशन को केवल हाल्ट के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप विकसित स्टेशन के रूप में देखा जाए। यात्रियों का कहना है कि रक्षाबंधन की भीड़ ने एक बार फिर स्टेशन की व्यवस्थाओं और वर्षों पुरानी मांगों को सामने ला दिया है।अब देखना होगा कि रेलवे और जनप्रतिनिधि इन मांगों पर कब तक ठोस कदम उठाते हैं।

बम्हनी बंजर में एसडीएम ने स्वास्थ्य केंद्र और स्कूलों का किया निरीक्षण

जगप्रेरणा मंडला।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मंडला श्री शैलेन्द्र चौधरी ने बम्हनी बंजर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, माध्यमिक शाला ग्वारा एवं ग्वारा हवाई पट्टी का निरीक्षण किया। इस दौरान नायब तहसीलदार श्री अजय श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री चौधरी ने दवा वितरण से संबंधित ऑनलाइन एवं ऑफलाइन रिकॉर्ड का विधिवत संधारण करने के निर्देश दिए। भंडार कक्ष का जायजा लेते हुए उन्होंने निकटतम एक्सपायरी वाली दवाओं को अलग रखने तथा रिक्त पदों की पूर्ति के लिए वरिष्ठ कार्यालय को मांग पत्र भेजने के निर्देश दिए। इस दौरान विकासखंड चिकित्सा अधिकारी श्री लक्ष्मण उइके उपस्थित रहे। इसके बाद एसडीएम ने माध्यमिक शाला ग्वारा का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय की साफ-सफाई, शैक्षणिक सुविधाओं और विद्यार्थियों की उपस्थिति की जानकारी ली। लंबे समय से अनुपस्थित विद्यार्थियों के संबंध में नियमित फॉलोअप करने तथा उपस्थिति में सुधार के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री चौधरी ने विद्यार्थियों के साथ मध्यान्ह भोजन किया और भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मापदंडों के अनुरूप मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। विद्यालय निरीक्षण के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य श्री सोमदत्त शुक्ला उपस्थित रहे।

निरीक्षण के अंतिम चरण में एसडीएम श्री चौधरी ने ग्वारा हवाई पट्टी का जायजा लिया। उन्होंने हवाई पट्टी से संबंधित सामान्य जानकारी प्राप्त करने के साथ ही आगामी कार्ययोजना के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की।

कान्हा में वन्यजीव फोटोग्राफी एवं फील्ड दस्तावेजीकरण पर कार्यशाला आयोजित

जगप्रेरणा मंडला।

कान्हा टाइगर रिज़र्व अंतर्गत वनरक्षकों एवं मैदानी अमले के लिए आज दिनांक 27/08/2026 को वन्यजीव फोटोग्राफर एवं संरक्षण कार्यकर्ता सुप्रिया हरिंद्रवार द्वारा वन्यजीव फोटोग्राफी एवं फील्ड दस्तावेजीकरण विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रतिभागियों को मोबाइल कैमरा सेटिंग्स, नैतिक एवं जिम्मेदार वन्यजीव दस्तावेजीकरण, जियो-टैगिंग तथा त्वरित साक्ष्य संकलन के संबंध में व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि फील्ड में प्राप्त महत्वपूर्ण सूचनाओं एवं साक्ष्यों का व्यवस्थित और विश्वसनीय दस्तावेजीकरण वन्यजीव संरक्षण एवं प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यशाला के पश्चात प्रतिभागियों के लिए बाहरी क्षेत्र में प्रायोगिक सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने वन्यजीवों एवं उनके आवास से संबंधित तस्वीरें खींचने का अभ्यास किया तथा मोबाइल उपकरणों पर ही तस्वीरों के संपादन की तकनीक सीखी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सुप्रिया हरिंद्रवार द्वारा कान्हा में फिल्माई गई लघु डॉक्यूमेंट्री 'द लास्ट कीपर्स' **(The Last Keepers)** का प्रदर्शन किया गया। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत वन विभाग के मैदानी अमले, विशेषकर वनरक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित किया गया। डॉक्यूमेंट्री के निर्माण के दौरान वन विभाग के वनरक्षकों द्वारा प्रदान किए गए सहयोग एवं योगदान को भी विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य वन विभाग के मैदानी अमले में फोटोग्राफी एवं आधुनिक तकनीकों के माध्यम से वन्यजीवों, उनके आवास तथा संरक्षण संबंधी गतिविधियों के बेहतर दस्तावेजीकरण की क्षमता को विकसित करना रहा।

भावांतर योजना के विरोध में 1 सितंबर को किसानों का ज्ञापन

किसान गर्जना संगठन का आह्वान, दोपहर 1 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचने की अपील

जगप्रेरणा मंडला।

किसान हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर किसान गर्जना संगठन द्वारा 1 सितंबर 2026 को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन ने जिलेभर के किसानों से दोपहर 1 बजे कलेक्ट्रेट मंडला पहुंचकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को प्रशासन के माध्यम से शासन तक पहुंचाया जाएगा। संगठन का कहना है कि वर्तमान भावांतर योजना किसानों के हित में प्रभावी साबित नहीं हो रही है, बल्कि इसके चलते किसानों की परेशानियां बढ़ रही हैं।

ज्ञापन में भावांतर योजना को वापस लेने, धान खरीदी पूर्व की भांति सोसायटियों के माध्यम से कराने, चुनावी घोषणा के अनुरूप फसलों का उचित समर्थन मूल्य दिलाने तथा खाद, बीज और कृषि दवाओं की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण लगाने की मांग प्रमुख रहेगी। इसके साथ ही कृषि आदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई जाएगी। संगठन पदाधिकारियों का आरोप है कि वर्तमान व्यवस्था में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए दूर-दराज की मंडियों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे परिवहन सहित अन्य खर्च बढ़ रहे हैं और खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। जिला अध्यक्ष पी.डी. खैरवार, जिला संगठन मंत्री चंद्रगुप्त नामदेव एवं मीडिया प्रभारी सहजान सिंह परस्ते ने जिले के किसानों से बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करने की अपील की है। संगठन ने कहा कि किसानों की समस्याओं को शासन तक मजबूती से पहुंचाने के लिए अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी जरूरी है।

खाद्य विभाग की कार्रवाई पर उठ रहे सवाल, जांच और रिपोर्ट को लेकर जनता जवाब की इंतजार में..

जगप्रेरणा मंडला।

जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर आम नागरिकों के बीच कई सवाल उठने लगे हैं। शहर में संचालित होटल, मिठाई दुकान, डेयरी एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच को लेकर विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रही है, जिससे लोगों में जिज्ञासा और चिंता दोनों बढ़ रही हैं।जानकारी के अनुसार त्योहारी सीजन और बदलते मौसम में दूध, दही, खोवा, पनीर, मिठाई सहित अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका बनी रहती है। ऐसे समय में खाद्य सुरक्षा विभाग की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह नियमित जांच कर लोगों को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे। लेकिन शहरवासियों का कहना है कि विभाग द्वारा अब तक कितने प्रतिष्ठानों की जांच की गई, कितने खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए गए और उनकी जांच रिपोर्ट क्या रही, इसकी स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। लोगों का सवाल है कि यदि सैंपल लिए गए हैं तो उनकी प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट कब तक आएगी और दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों पर क्या कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों का मानना है कि केवल जांच अभियान चलाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके परिणाम भी जनता के सामने आने चाहिए ताकि लोगों का विश्वास बना रहे और मिलावटखोरों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। शहरवासियों ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग से मांग की है कि अब तक की गई जांच, लिए गए सैंपलों की संख्या, लंबित रिपोर्ट और की गई कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक की जाए। लोगों का कहना है कि खाद्य सुरक्षा से जुड़ा मामला सीधे जनस्वास्थ्य से संबंधित है, इसलिए पारदर्शिता बेहद आवश्यक है। जनता का कहना है कि उन्हें सिर्फ कार्रवाई की सूचना नहीं, बल्कि कार्रवाई का परिणाम जानने का भी पूरा अधिकार है।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन..

15 दिन में मांगें पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी..

जगप्रेरणा मोहगांव/मंडला।

बढ़ती महंगाई और आम जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मोहगांव ने गुरुवार को प्रदेशव्यापी अभियान के तहत प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल के नाम नायब तहसीलदार मोहगांव को ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार किया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष इकबाल खान के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहले बैठक आयोजित कर वर्तमान समय में बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम, गैस सिलेंडर की कीमतों, बिजली बिलों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के मूल्य वृद्धि पर चर्चा की। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को लेकर थाना प्रांगण पहुंचे, जहां नायब तहसीलदार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कांग्रेस ने कहा कि लगातार बढ़ रही महंगाई ने आम जनता का जीवन कठिन बना दिया है। रसोई से लेकर परिवहन तक हर क्षेत्र में लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि चीनी, खाद्य सामग्री, पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार वृद्धि से गरीब, मजदूर, किसान, कर्मचारी और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है।

कांग्रेस ने ज्ञापन में मांग की कि चीनी की कीमतों में तत्काल कमी की जाए ताकि आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। साथ ही पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों पर नियंत्रण कर कीमतें कम की जाएं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि के कारण यात्री बसों और अन्य परिवहन साधनों का किराया भी बढ़ गया है, जिससे आम लोगों को रोजमर्रा की यात्रा में अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ रहा है। ज्ञापन में घरेलू गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों पर भी चिंता जताई गई। कांग्रेस ने मांग की कि गैस सिलेंडर के दाम कम किए जाएं और गैस वितरण की समय-सीमा 45 दिनों से घटाकर 25 दिन की जाए, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके। इसके अलावा बिजली कटौती पर रोक लगाने तथा बढ़े हुए बिजली बिलों को कम करने की मांग भी की गई।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने कहा कि यदि शासन-प्रशासन द्वारा ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों पर 15 दिनों के भीतर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस व्यापक एवं उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। इसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि पार्टी जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करती रहेगी और आम लोगों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने का कार्य करती रहेगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बीजाडाण्डी क्षेत्र में सीईओ जिला पंचायत का सघन भ्रमण, स्वास्थ्य-शिक्षा और राशन व्यवस्था का लिया जायजा..

राशन वितरण में लापरवाही पर जताई नाराजगी, छात्रावास की अव्यवस्था दूर करने के निर्देश, आईटीआई भवन दिसंबर तक पूरा करने को कहा..

जगप्रेरणा मंडला।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत विकासखंड बीजाडाण्डी में गुरुवार को आयोजित शिविर से पहले सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना ने क्षेत्र का सघन भ्रमण कर स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्यान्न वितरण और आजीविका संवर्धन से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान व्यवस्थाओं में लापरवाही मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।भ्रमण की शुरुआत धनवाही में निर्माणाधीन आईटीआई भवन से हुई। सीईओ ने आईटीआई भवन के साथ बालक-बालिका छात्रावास और आवासीय भवनों का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य द्वार की ओर से एप्रोच रोड बनाने को भी कहा। ईई पीआईयू पारस सिंह ने बताया कि सभी भवन दिसंबर 2026 तक पूर्ण किए जाने हैं। आईटीआई प्राचार्य मनीषा भूरिया ने बताया कि भवन पूर्ण होने के बाद अगले सत्र से छह ट्रेड में प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा। इसके बाद सीईओ ने धनवाही की उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया। दुकान में 409 कार्डधारियों में से केवल 147 हितग्राहियों को राशन वितरित किए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने गांव के सभी कार्डधारियों तक सूचना पहुंचाकर दोनों माह का राशन समय पर वितरित करने, वितरण पंजी अद्यतन रखने तथा अक्रियाशील कार्डों को ट्रेस करने के निर्देश दिए।

उप स्वास्थ्य केंद्र धनवाही में ओपीडी, गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली गई। मौसमी बीमारियों को देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि यदि दैनिक ओपीडी में बच्चों की संख्या लगातार बढ़ती है तो तत्काल बीएमओ और तहसीलदार को सूचना दी जाए। परिसर में आजीविका ग्राम संगठन की महिलाओं से चर्चा कर उनके उत्पादों की बिक्री उत्पादक समूहों और प्रोड्यूसर कंपनी के माध्यम से बढ़ाने का सुझाव भी दिया। सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास बीजाडाण्डी में पेयजल, रसोई और भोजन कक्ष का निरीक्षण किया गया। भोजन कक्ष में छत और खिड़की से पानी आने की समस्या पर सीईओ ने नाराजगी जताते हुए इसे शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। छात्रावास में 50 बालकों के विरुद्ध गुरुवार को केवल सात छात्र उपस्थित मिले। अधीक्षक ने पर्व के कारण अधिकांश छात्रों के घर जाने की जानकारी दी। इसके बाद 'सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीजाडाण्डी' में मरीज पंजीकरण, ओपीडी, टीकाकरण, मेल वार्ड, मेटरनिटी वार्ड, दवा वितरण, आयुष्मान कक्ष और स्टोर का निरीक्षण किया गया। सीईओ ने दवाओं का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने और आयुष्मान योजना के क्लेम समय पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से चिकित्सकों तथा स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं को लेकर फीडबैक भी लिया। भ्रमण के दौरान लोक सेवा केंद्र का भी निरीक्षण किया गया। केंद्र पर आवेदकों की कम संख्या को देखते हुए सीईओ ने आमजन को कम शुल्क में उपलब्ध सेवाओं की जानकारी देने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक लोग इन सेवाओं का लाभ उठा सकें। इस दौरान एसडीएम निवास सीएल वर्मा, सीएमएचओ डॉ. डी.जे. मोहन्ती, एसी ट्राइबल डॉ. अरुण शुक्ला, जनपद पंचायत बीजाडाण्डी की सीईओ वासंती दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संकुल संगठन की महिलाओं ने बांधी राखी..

रक्षाबंधन के अवसर पर स्वरागिनी आजीविका महिला संकुल स्तरीय परिसंघ की महिलाओं ने संकुल कार्यालय में सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना और एसडीएम निवास सीएल वर्मा को पारंपरिक रीति-रिवाज से राखी बांधी। इस अवसर पर अधिकारियों ने महिलाओं से आत्मीय संवाद कर उनकी गतिविधियों की जानकारी ली और उनके कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम में नायब तहसीलदार बीजाडाण्डी आलोक सोनी, विकासखंड प्रबंधक साहेब लाल सूर्यवंशी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा ग्रामीण **गोंदिया भंडारा**

● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

भाजपा महिला मोर्चा गोंदिया: लाडली बहनों की ओर से मुख्यमंत्री देवाभाऊ के लिए राखी संग्रह अभियान अंतिम चरण में..

जिलेभर में महिलाओं का अभूतपूर्व उत्साह..

जगप्रेरणा आमगांव।

महाराष्ट्र प्रदेश भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष सौ. सविता संजय पुराम को गोंदिया जिले के संगठन एवं कार्यों की जिम्मेदारी मिलने के बाद से वे लगातार जिले का दौरा कर महिला मोर्चा के संगठन को मजबूत बनाने में जुटी हुई हैं। इसी अभियान के तहत 22 अगस्त 2026 से 25 अगस्त 2026 के दौरान गोंदिया जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के 18 मंडलों में बैठकों, राखी संग्रह अभियान तथा महिला संपर्क कार्यक्रमों का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।

25 अगस्त 2026 को हुई महत्वपूर्ण बैठकें..

मंगलवार, 25 अगस्त 2026 को सुबह 11 बजे भाजपा कार्यालय, गोरेगांव में भाजपा महिला मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर गोरेगांव तहसील महिला मोर्चा की अध्यक्ष सौ. रजनीताई धपाडे उपस्थित थीं। इसके पश्चात दोपहर 2 बजे कृषि उपज बाजार समिति, तिरोड़ा में तहसील एवं शहर महिला मोर्चा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में तिरोड़ा शहर महिला मोर्चा की अध्यक्ष सौ. पौर्णिमाताई शर्मा ने प्रमुख सहभागिता की। इन बैठकों का आयोजन भाजपा महिला मोर्चा महाराष्ट्र की प्रदेश उपाध्यक्ष सौ. सविताताई संजय पुराम तथा भाजपा महिला मोर्चा गोंदिया की जिलाध्यक्ष सौ. तुमेश्वरीताई बघेले की प्रमुख उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, व्यापक जनसंपर्क..

इस अभियान के माध्यम से महिलाओं को संदेश दिया जा रहा है कि परिवार और गृहस्थी संभालने के साथ-साथ वे सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में भी आगे आएं और सक्रिय भूमिका निभाएं। आगामी रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर महाराष्ट्र के लोकप्रिय मुख्यमंत्री माननीय देवेंद्रजी फडणवीस (देवाभाऊ) के लिए जिले की लाडकी बहनों द्वारा बड़ी संख्या में राखियां एकत्र की जा रही हैं। महिला मोर्चा की ओर से सभी लाडकी बहनों से अपने प्रिय देवाभाऊ के लिए स्नेह और ममता की राखी भेजने की अपील की गई है। इस पहल को गोंदिया जिलेभर से अभूतपूर्व प्रतिसाद मिल रहा है। अभियान की सफलता के लिए जिले के सभी मंडल महामंत्री, उपाध्यक्ष, सचिव, सदस्य तथा वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारियों ने विशेष परिश्रम किया है। सौ. सविता संजय पुराम के नेतृत्व में चल रहे इस जनसंपर्क एवं राखी संग्रह अभियान से गोंदिया जिले की महिला कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है।

भवभूति महाविद्यालय में नवोदित विद्यार्थियों का स्वागत व मार्गदर्शन समारोह संपन्न..

'सफलता के लिए कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं' – ब्रिगेडियर रवींद्र शाहतपुरे..

जगप्रेरणा आमगांव।

स्थानीय भवभूति महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए 'नवागत विद्यार्थी स्वागत एवं मार्गदर्शन समारोह (NSOP) *का भव्य आयोजन किया गया।*

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रल्हाद रहांगडाले ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड (**SIS India Ltd**) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ब्रिगेडियर रवींद्र शाहतपुरे तथा मुख्य वक्ता के रूप में 'एसआईएस' के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट श्री मनीष त्रिपाठी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

अनुशासन और एकाग्रता सफलता की कुंजी..

मार्गदर्शन करते हुए ब्रिगेडियर रवींद्र शाहतपुरे ने कहा कि 'जीवन में सफलता पाने का कोई 'शॉर्टकट' नहीं होता। विद्यार्थियों को अपने जीवन में अनुशासन, एकाग्रता और संगठन भावना जैसे गुण विकसित करने चाहिए।' मुख्य वक्ता श्री मनीष त्रिपाठी ने विद्यार्थियों से कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और बहुविषयक ज्ञान अर्जित करने का आह्वान किया।

सर्वांगीण विकास के लिए अनुशासन अनिवार्य : प्राचार्य डॉ. रहांगडाले..

अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य डॉ. प्रल्हाद रहांगडाले ने अपनी अमेरिका यात्रा के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने विश्वप्रसिद्ध 'स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी' के पुस्तकालय में उल्लिखत इमर्सन और टॉल्स्टॉय जैसे महान विचारकों के विचारों का संदर्भ देते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इसके अलावा उन्होंने रामायण, महाभारत, श्रीमद्भगवद गीता, चाणक्य नीति और रहीम के दोहों के उदाहरण देते हुए समझाया कि जीवन के सर्वांगीण विकास में अनुशासन कितना महत्वपूर्ण है।

200 से अधिक विद्यार्थियों की उपस्थिति..

कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी (**IQAC**) समन्वयक डॉ. भास्कर काठाने ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. विशाल राठौड़ ने किया। इस समारोह में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के प्रथम वर्ष के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. रमेश बावनथड़े, श्रीमती प्रज्ञा भगत, डॉ. तुषार जुमड़े, डॉ. बुद्धघोष शिंगाड़े, डॉ. प्रवीण चंद्रगिरिवार, डॉ. नितिन ढांगे, श्री जयंत नाकाड़े सहित समस्त प्राध्यापकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा। अल्पाहार के साथ समारोह का समापन हुआ।

देवरी तहसील में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आज रक्षाबंधन समारोह..

महिलाएं पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बांधेंगी राखी; जिला परिषद सदस्य सविता पुराम की पहल पर आयोजन..

जगप्रेरणा देवरी।

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, देवरी तहसील की ओर से हर साल की तरह इस साल भी रक्षाबंधन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया है।

समाज की सुरक्षा के लिए दिन-रात अपनी ड्यूटी करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से यह पहल की जा रही है।भाजपा महिला मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष एवं गोंदिया जिला परिषद सदस्य श्रीमती सविता संजय पुराम की मुख्य पहल तथा तहसील अध्यक्ष व भाजपा महिला मोर्चा देवरी की अध्यक्ष शामकला ताई गावड़े की अध्यक्षता में यह रक्षाबंधन कार्यक्रम संपन्न होगा। शुक्रवार, दिनांक 28 अगस्त 2026 को सबसे पहले देवरी नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों को, तथा तहसील के विभिन्न पुलिस स्टेशनों और पुलिस कैंपों में जाकर महिला मोर्चा की पदाधिकारियों द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को राखी बांधी जाएगी। इस रक्षाबंधन के माध्यम से पुलिस बल और समाज के बीच भाईचारे के रिश्ते को और मजबूत करने का संदेश दिया जाएगा।

सुबह 09.00 बजेः देवरी पुलिस स्टेशन, सुबह 10.30 बजेः चिचगढ़ पुलिस स्टेशन, सुबह 11.30 बजेः मगरडोह पुलिस कैंप, दोपहर 12.30 बजेः बोड़े पुलिस कैंप, दोपहर 02.00 बजेः पिपरखारी पुलिस कैंप, दोपहर 03.00 बजेः कडीकसा पुलिस कैंप।

इस सराहनीय पहल में भारतीय जनता पार्टी की सभी महिला पदाधिकारी, पंचायत समिति सदस्य, नगर पंचायत सदस्य और जिला परिषद सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहें–ऐसा आह्वान आयोजक सविता संजय पुराम और भाजपा महिला मोर्चा की ओर से किया गया है।

ममता का धागा हुआ महंगा: इस साल राखियों की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी..

जगप्रेरणा आमगांव।

रक्षाबंधन का पर्व अब महज चार दिन दूर है, जिसके चलते शहर के विभिन्न इलाकों और बाजारों में राखियों की खरीदारी के लिए चहल-पहल बढ़ गई है।

कच्चे माल, निर्माण सामग्री और परिवहन खर्च में वृद्धि के कारण इस वर्ष राखियों की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। इसके बावजूद बहनों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है और बाजारों में खरीदारी के लिए भीड़ बढ़ती जा रही है। बाजार में साधारण राखियों से लेकर डिजाइनर, कुंदन, मोती, जरदोजी और रेशमी धागों से बनी आकर्षक राखियों की भरमार है।

ग्राहकों के बजट को ध्यान में रखते हुए व्यापारियों ने 5 रुपये से लेकर 500 रुपये तक की राखियां उपलब्ध कराई हैं। कीमतों में वृद्धि के बावजूद ग्राहकों के पास अपनी पसंद और बजट के अनुसार राखी चुनने के लिए कई विकल्प मौजूद हैं।

कार्टून और म्यूजिकल राखियां बच्चों की पहली पसंद..

छोटा भीम, डोरेमॉन, मोटू-पतलू और स्पाइडरमैन जैसे कार्टून पात्रों वाली राखियां बच्चों को खूब पसंद आ रही हैं। वहीं एलईडी लाइट और संगीत की सुविधा वाली म्यूजिकल राखियों को लेकर भी बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। राखी खरीदने के लिए दुकानों में नागरिकों की भीड़ उमड़ रही है।

राखियों के दाम में 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि..

रक्षाबंधन के मद्देनजर बाजार में राखियों की खरीदारी तेज हो गई है। कच्चा माल महंगा होने और परिवहन खर्च बढ़ने के कारण राखियों के दाम में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। हालांकि व्यापारियों ने ग्राहकों के बजट का ध्यान रखते हुए 5 से 500 रुपये तक की राखियां उपलब्ध कराई हैं।

डिजाइनर राखियों में बदलते ट्रेंड की झलक..

पारंपरिक राखियों के साथ-साथ आधुनिक और आकर्षक डिजाइन वाली राखियों ने भी बाजार में अपनी अलग पहचान बनाई है। नक्काशीदार कुंदन, मोती, गोंडे, जरदोजी के काम और रेशमी धागों से तैयार राखियों की युवाओं में विशेष मांग है। विभिन्न रंगों और आकर्षक सजावट के कारण ये राखियां ग्राहकों को खूब लुभा रही हैं।

कच्चा माल महंगा होने से बढ़े राखियों के दाम..

राखियां बनाने के लिए आवश्यक रेशमी धागे, मणियां, कुंदन, सजावटी सामग्री और अन्य कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही परिवहन खर्च बढ़ने से राखियों की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके बावजूद रक्षाबंधन के पर्व को लेकर लोगों में उत्साह बरकरार है और आने वाले दिनों में बाजारों में खरीदारी के लिए भीड़ और बढ़ने की संभावना व्यापारियों ने जताई है।

पर्यावरण अनुकूल 'सीड राखियों' की बढ़ती मांग..

इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाली राखियों को भी बाजार में विशेष स्थान मिला है। बांस, सूती धागों और विभिन्न पौधों के बीजों से तैयार की गई 'सीड राखियां' ग्राहकों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं। इन राखियों के माध्यम से रक्षाबंधन का पर्व मनाने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश भी दिया जा रहा है।

व्यापारी का कहना है..

'इस वर्ष राखी बनाने के लिए आवश्यक कच्चा माल, रेशमी धागे, मणियां और सजावटी सामग्री महंगी हो गई है। इसके साथ ही परिवहन खर्च में भी वृद्धि हुई है। इसलिए राखियों की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि ग्राहकों के बजट को ध्यान में रखते हुए 5 रुपये से लेकर 500 रुपये तक की विभिन्न प्रकार की राखियां उपलब्ध कराई गई हैं।'

दो दिवासीय बागेश्वर पूजा महोत्सव संपन्न

आमगांव एवं लांजी के विधायको ने लिया हिस्सा..

जगप्रेरणा आमगांव।

श्री कसौधन वैश्य गुप्ता समाज बहुउद्देशीय संस्था द्वारा आयोजित दो दिवसीय बागेश्वर पूजा महोत्सव संपन्न हुआ प्रथम दिन छोटे बच्चो द्वारा डान्स, ड्राइग, मटकी फोड, फॅन्सी ड्रेस सहित कलश सजाओ आदि स्पर्धा आयोजित किये गये श्री बागेश्वर भगवान की पूजा अर्चना, आरती की गयी एवं संपूर्ण समाज द्वारा सामूहिक रूप से हवन किया गया इस समय प्रमुख अतिथी के रूप में विधायक संजय पुराम आमगाव, विधायक राजकुमार करहे लांजी, गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती सविता अग्रवाल, पूर्व जिला परिषद सदस्य श्रीमती उषा हर्षे, उपस्थित हुए।

संपूर्ण अतिथीयो के शुभहस्ते बारहवी कक्षा में प्रथम कुमारी सुहानी गुप्ता व द्वितीय कुमारी वृद्धी गुप्ता स्थान पर रहे उन्हे शिल्ड देकर सम्मानित किया गया इसी समय सभी स्पर्धाओ में सफल समाज बांधूओ को प्रमुख अतिथीओ के शुभहस्ते शिल्ड देकर सम्मानित किया गया। पूजा अर्चना के पश्चात महाकाली माता मंदिर से शोभा यात्रा निकाली गयी जिसका समापन शिव मंदिर रिसमा में किया गया बागेश्वर पूजा महोत्सव संपन्न हुआ प्रथम दिन छोटे बच्चो द्वारा डान्स, ड्राइग, मटकी फोड, फॅन्सी ड्रेस सहित कलश सजाओ आदि स्पर्धा आयोजित किये गये श्री बागेश्वर भगवान की पूजा अर्चना, आरती की गयी एवं संपूर्ण समाज द्वारा सामूहिक रूप से हवन किया गया इस समय प्रमुख अतिथी के रूप में विधायक संजय पुराम आमगाव, विधायक राजकुमार कराहे लांजी, गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती सविता अग्रवाल, पूर्व जिला परिषद सदस्य श्रीमती उषा हर्षे, उपस्थित हुए संपूर्ण अतिथीयो के शुभहस्ते बारहवी कक्षा में प्रथम कुमारी सुहानी गुप्ता व द्वितीय कुमारी वृद्धी गुप्ता स्थान पर रहे उन्हे शिल्ड देकर सम्मानित किया गया इसी समय सभी स्पर्धाओ में सफल समाज बांधूओ को प्रमुख अतिथीओ के शुभहस्ते शिल्ड देकर सम्मानित किया गया पूजा अर्चना के पश्चात महाकाली माता मंदिर से शोभा यात्रा निकाली गयी जिसका समापन शिव मंदिर रिसमा में किया गया।

समाज समिति अध्यक्ष विनोद गुप्ता, सचिव प्रशांत गुप्ता, समाज महिला समिति अध्यक्ष शिबू गुप्ता, समाज महिला समिति सचिव रिकी गुप्ता आदि ने सम्पूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार किया। समाज के सम्पूर्ण पदाधिकारी एवं सदस्यों ने सामुहिक रूप से सहयोग दिया।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

प्लाट पर कब्जा कर की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के आमगाव पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 21/8/2026 के दोपहर 4 बजे के दरम्यान आमगाव मे फर्यादी अनिकेत महेन्द्रकुमार चौरडीया उम्र 30 वर्ष निवासी आमगांव के प्लाट पर 7 आरोपियो ने जेसीबी लाकर काम कर रहे थे। फर्यादी ने विडियो रिकार्डिंग चालु की तो आरोपीयो ने गालीगलोच कर मारपीट की प्लाट के तार तोड़कर 60 हजार का नुकसान किया और आगे देख लेने कि धमकी देने से दिये शिकायत पर पोस्टे आमगाव मे अपराध क्रमांक 552/2026 धारा 118, 2,189,2,4,191,2,3,324,4,352,351,2, बि एन एस 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोऊपनी कोलते पोस्टे आमगाव कर रहे है।

घर के पोर्च से अज्ञात चोर ने उडाई बाईक मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रावणवाडी पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 26/8/2026 के रात 1 बजे से 6 बजे के दरम्यान मुरपार मे फर्यादी निर्मलाबाई बेवा व्यंकटराव कटरे उम्र 70 वर्ष निवासी मुरपार ने अपने घर के पोर्च मे रखी हिरो कंपनी की एच एफ डिलक्स काले रंग की किमत 15 हजार रुपये घटना समय के दरम्यान अज्ञात चोर ने चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे रावणवाडी मे अपराध क्रमांक 422/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा मरसकोल्हे 120 पोस्टे रावणवाडी कर रहे है।

बस मे चढते समय महिला के पर्स से गहने चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 18/8/2026 के दोपहर 2 बजे के दरम्यान मरारटोली बस स्टॉप मे महिला फर्यादी अपने गाव जाने के लिये बस में चढ रही थी। भीड मे अज्ञात चोर ने महिला फर्यादी के पर्स से 10 नग गहुमणी किमत 3 हजार रुपये, 35 छोटे मणी किमत 3 हजार रुपये, एक पदक किमत 3 हजार रुपये, नगदी 5 हजार रुपये, नोकिया कंपनी का फोन किमत 500 सौ रुपये, कुल 14,500 रुपये का माल चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे रामनगर मे अपराध क्रमांक 486/2026 धारा 303,2, भा न्या स 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच सफौ राजेश भुरे 606 पोस्टे राम नगर कर रहे है।

फोरविलर की चपेट मे आने से हुई महिला की मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रावणवाडी पुलिस थाना अंतर्गत अँक्सीडेंड मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 26/8/2026 के शाम 6 बजे के दरम्यान शिरपुर मे फर्यादी की माँ मंजु जन्मजय डोंगरे उम्र 52 वर्ष निवासी मुरपार अपने घर जा रही थी। जाते समय मारोती कंपनी की विक्टोरीयस गाड़ी के चालक ने फर्यादी की मां को ठोस मारी सर मे गंभीर चोट लगने से उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे रावणवाडी मे अपराध क्रमांक 423/2026 धारा 106,1,281,125, ए,125, बी, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोऊपनी धेंडे पोस्टे रावणवाडी कर रहे है।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे मो. 9329033433

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाएं..
- टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET)
- इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI)
- (IUI) आय.यू.आय.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओव्हम डोनेशन द्वारा
- बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
- पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनोग्राफी
- हार्मोस की जांच
- हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
- दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस
प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा
live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

सिंधी कॉलोनी निवासीयों के पट्टों के विषय पर विधायक विनोद अग्रवाल ने ली बैठक..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया नगर में अनेक वर्षों से निवासरत सिंधी कालोनी निवासियों को पट्टों का वितरण कार्य विधायक विनोद अग्रवाल के विशेष प्रयासों पर प्रगति पर पहुंचा, जिसके उपरांत पट्टों के मालकियत संदर्भ में आवश्यक

कार्यवाही पूर्ण करने उपविभागीय अधिकारी कार्यालय में विधायक विनोद अग्रवाल ने बैठक ली, जिसमें बाकी पट्टे व अतिक्रमण को नियमित करने के कार्यों को जल्द पुरा करने निर्देश दिये। इस अवसर पर एसडीओ खंडाईत ने आश्वास्त किया कि जल्दी से जल्दी ओपचरिकता पूर्ण कर पट्टे दिये जाएंगे। इस अवसर पर एडव्होकेट कैलाश बजाज, कमल वाधवानी, पार्षद रिंकू आसवानी, किशोर तलरेजा, अमित थदानी, हेमंत हरिरामानी ने विधायक विनोद अग्रवाल व राजस्व अधिकारी के संज्ञान में यह भी लाया कि जिन समाज बन्धुओं को पुराने नाम से आखीव पत्रिका दी गयी है, उनको वर्तमान में ताबे के हिसाब से फेरफार निःशुल्क करके दिया जाये। इस विषय पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए विधायक विनोद अग्रवाल व एसडीओ श्री खंडाईत ने जल्दी ही समाधान निकालने का आश्वासन दिया।

ईद-ए-मिलाद के मुबारक मौके पर शहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुस्लिम समाज बंधुओं को दी मुबारकबाद..

विशाल गोपालदास अग्रवाल, नगराध्यक्ष सचिन शेंडे सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया सदर एवं समाजबंधुओं का इस्तकबाल ..

जगप्रेरणा गोंदिया।

ईद-ए-मिलाद के मुबारकर मौके पर, हर वर्ष की तरह मुस्लिम समाज बंधुओं ने भव्य जुलुस रैली निकालकर नबी के जन्मदिन का भव्य उत्सव मनाया। इस अवसर पर पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की ओर से उनके प्रतिनिधी द्वय विशाल गोपालदास अग्रवाल, नगराध्यक्ष सचिन शेंडे सहीत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के निवास के समीप, भव्य जुलुस के सदर श्री ईशानभाई शेख एवं तमाम समाज बंधुओं को इस अवसर की शुभकामनाएं देते हुए सभी का इस्तकबाल किया।

इस अवसर पर विशाल गोपालदास अग्रवाल एवं नगराध्यक्ष सचिन शेंडे ने कहा कि, ईद-ए-मिलाद यह पर्व भाईचारे और कौमी एकता के साथ-साथ सामाजिक सदभावना लेकर आता है। सिर्फ मुस्लिम समाज बंधु ही नहीं तमाम गोंदिया शहर के सभी नागरीक इस पर्व में शामिल होकर कौमी एकता की एक नई मिसाल कायम करते है। गोंदिया विधानसभा क्षेत्र ने जितने उत्साह के साथ दिवाली मनाई है, उतने ही उत्साह के साथ ईद-ए-मिलाद मनाकर इस महान पर्व को हमेशा यादगार बनाया है। गोंदिया शहर के साथ-साथ पुरे देश में युही सामाजिक भाईचारा बना रहे और बढ़े, ऐसी दुआ तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता इस अवसर पर करते है। इस अवसर पर प्रमुख रुप से पूर्व पार्षद शकीलभाई मन्सुरी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चौधरी, अजय गौर, मनोज पटनायक, पार्षद राकेश ठाकुर, अमर रंगारी, रुपेश नशीने, चंद्रकुमार चुटे, सुनिल भालेराव, नफीसभाई सिध्दीकी, अरमान जैसवाल, आसीफ अंसारी, अमर मिश्रा, श्रीकांत चांदूरकर, संदीप रहांगडाले, सचिन मेश्राम, पूर्व जि.प. सभापती अर्जुन नागपूरे, कृउबास संचालक पप्पू पटले, राकेश वर्मा, जिला सहकारी बैंक संचालक अशोक गप्पु गुप्ता, बंटी कटरे, अरुण कुमार दुबे एवं गंगाधर परशुरामकर, प्रदेश प्रतिनिधि राधेलाल पटले, संजु माने, रियाजभाई मेमन, अमन मेमन, विवेक तिवारी, संकेत तिवारी, जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष जमीलभाई पठान, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अमन मेमन, अमन तिगाला, जहीरभाई अहमद, भद्दुभाई पठान, हारुनभाई कटंगी, इकबाल भाई रामनगर, महबुबभाई, राजेन्द्र दुबे, दामोदर नेवारे, जिला उपाध्यक्ष रोशन बडोले, रेवाशंकर पटले, किशोर शेंडे, शुभम ओंगेवार, हेमु वालदे, भोजराज मसराम, चंद्रकुमार बलीराम चौधरी, जयकिशोर मिठ्ठु, जगन्नाथ कौरे, पूर्व पार्षद व्यंकट पाथरु, देवेन्द्र वाल्मिक, भारत खापर्डे, जिप सदस्य ससेन्द्रकुमार भगत, जिप सदस्य विमल बबलु कटरे, गोरेगांव तालुका कॉग्रेस कमेटी अध्यक्ष जगदिश येरोला, वुं!जीलाल नरेटी, मदनलाल अटरे, अमिताब मडावी, जागेश्वर फरदे, सुभाष सरोटे, बाबुरावजी हिडको, अक्षरताव पटले, नामदेव के.नाईक, घनश्याम नागफासे, ओमेशकुमार बसोने, सुभद्र अगडे, राजु दोनोडे,युवक कॉग्रेस कमेटी अध्यक्ष नितेश यादोराव शिवणकर, तालुकायुवक कॉग्रेस अध्यक्ष चंद्रशेखर नंदकिशोर गौतम, युवक कॉग्रेस सचिव साहिल कुरैशी, आशुतोष सुरेन्द्र असाटी, आलोक मोहंती, प्रकाश ब्राम्हणकर, ओबीसी सेल तालुका अध्यक्ष विजय फुंडे, दिनेश गेडाम, मधुसुदन दोनोडे, विजयकुमार काळे, ओबीसी विभाग जिला महासचिव जगदिश चुटे, रुपाली यादोराव उके, सुंदरबाई कनोजीया, रामेश्वर श्यामकुवर, आमगांव शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवकांत बहेकार, साबीर, मुन्नालाल रहांगडाले, राजेश मेश्राम, सुशील खरकाटे, शकील कुरेशी, बलजितसिंग बग्गा, पूर्व जिप अध्यक्ष उषाताई मेंढे, संपत सोनी, पूर्व नगराध्यक्ष सुशिलाताई भालेराव, कुरमराज चैव्हान सहित कॉग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अखिल भारतीय माळी महासंघ के गोंदिया जिलाध्यक्ष पद पर इंजी. समीर आरेकर की सर्वसम्मति से नियुक्ति..

जगप्रेरणा गोंदिया।

अखिल भारतीय माळी महासंघ की ओर से गोंदिया रेस्ट हाउस में गोंदिया जिले के विभिन्न तहसीलों के पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज संगठन को मजबूत करने, युवाओं को एकजुट करने, जरूरतमंद समाजबंधुओं को सहयोग देने तथा समाजहित में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों को गति देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान गोंदिया जिलाध्यक्ष पद के लिए सभी पदाधिकारियों से विचार-विमर्श एवं आर्थिक चर्चा के बाद इंजि. समीर आरेकर के नाम पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। उनकी नियुक्ति की घोषणा होते ही उपस्थित समाजबंधुओं एवं युवाओं में खुशी की लहर दौड़ गई। इंजी. समीर आरेकर इससे पहले भी समाज का अध्यक्ष पद संभाल चुके हैं और अपने कार्यकाल में समाजहित के लिए सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। उनके अनुभव एवं नेतृत्व क्षमता को देखते हुए एक बार फिर उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर समाजबंधुओं ने प्रसन्नता व्यक्त की। युवा नेतृत्व के रूप में इंजी. समीर आरेकर की नियुक्ति से समाज के युवाओं में नया उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर युवाओं को एकजुट कर समाज को नई दिशा देने, संगठन को मजबूत बनाने तथा जरूरतमंद परिवारों की हरसंभव मदद करने का संकल्प व्यक्त किया गया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष इंजि. समीर आरेकर ने कहा कि, ÷समाज के युवाओं को एकजुट कर संगठन को मजबूत करना, जरूरतमंद समाजबंधुओं को सहयोग देना तथा समाज के विकास के लिए सभी को साथ लेकर निरंतर सामाजिक कार्य करना हमारा प्रमुख उद्देश्य रहेगा। बैठक मेंमहाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुभाष सताव, प्रदेश कार्यअध्यक्ष अमोल गुरनुले, गणेशराव कालपांडे, डॉ. सुनील जाधव, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विदर्भ विभाग प्रमुख प्रवीणभाऊ पेटकर, प्रदेश उपाध्यक्ष वासुदेवराव देवरे, क्षेत्र चिटनीस प्रवीणभाऊ महाजन तथा राज्य आयोजक अशोकभाऊ अंबोरे सहित गोंदिया जिले के विभिन्न तहसीलों के पदाधिकारी एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं ने इंजी. समीर आरेकर का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। समाज की एकजुटता, युवाओं की ताकत और सेवा के संकल्प के साथ समीर आरेकर के नेतृत्व में गोंदिया जिले में माळी समाज को नई दिशा और नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद व्यक्त की गई।

विप्र फाउंडेशन गोंदिया जिला का पावस पर्व पर मेघ-मल्हार एवं मिलन समारोह संपन्न

जगप्रेरणा गोंदिया।

विप्र फाउंडेशन गोंदिया जिला विदर्भ जोन 9 द्वारा पावस पर्व पर मेघ-मल्हार कार्यक्रम महिलाओं एवं बच्चियों के लिए प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ रविवार, 23 अगस्त को दोपहर 3 से रात 8 बजे तक मनाया गया। विजेताओं को पुरस्कार वितरण व समाज के वरिष्ठ नागरिकों, शैक्षणिक क्षेत्र में प्रावीण्यता प्राप्त छात्र छात्राओं, विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले समाज बंधुओ को सन्मानित किया गया।

10 वीं में प्राविण्यता हेतु तनिष्का सुशांत शर्मा, श्रीयांशी आशीष शर्मा, पीहू आनंद शर्मा, अंकुर प्रवीण शर्मा 12 वीं में प्राविण्यता हेतु जान्हवी पंकज उपाध्याय, रूपम गोपाल शर्मा, अंशुमन ओमप्रकाश शर्मा, सजल प्रणायपार्थ शर्मा, कम्प्यूटर साइंस में पार्थ रामकुमार उपाध्याय, जय आशीष शर्मा, एमबीए के लिए गोपाल रमाकांत शर्मा, विशिष्ट उपलब्धियों हेतु राधिका दीपक शर्मा रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतिस्पर्धा में 3 गोल्ड मेडल विजेता, कु वंशिका राजीव जोशी विदर्भ स्तरीय सौंदर्य प्रतियोगिता में गोंदिया क्वीन, डॉ साक्षी नरेशजी तिवारी **BHMS, MD MEDICINE,** कला क्षेत्र में सौं प्रिया नितिन व्यास, सोशल मीडिया हेतु दिलीप रामानंद व्यास, पं. पंकज जोशी एवं आकाश शर्मा को श्री भगवान परशुराम सेवा पथ द्वारा समाज में गमी होने पर उस दिन भोजन व्यवस्था की सेवा हेतु। वरिष्ठ नागरिक सत्कार में लीलाधर मेघराज उपाध्याय - सौं लता लीलाधर उपाध्याय, गजानंद मेघराज उपाध्याय - सौं उर्मिला गजानंद उपाध्याय, राजकिशोर जानकीलाल पुरोहित - सौं सावित्रीदेवी राजकिशोर पुरोहित, श्रीमती ताराबाई हरद्वारीलाल शर्मा तथा श्रीमती मालती देवी शर्मा को शाल, श्रीफल मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस मिलन समारोह के सत्कार कार्यक्रम में मंच पर भीकम शर्मा उपाध्यक्ष विप्र फाउंडेशन विदर्भ जोन 9, रमेश शर्मा अध्यक्ष, आनंद पुरोहित उपाध्यक्ष, विजय गजाधर शर्मा कोषाध्यक्ष एवं संतोष पुरोहित अध्यक्ष ट्रस्ट बोर्ड श्री राजस्थानी ब्राह्मण सभा, राजकुमार तिवारी अध्यक्ष श्री राजस्थानी ब्राह्मण सभा, सौ. अर्चना संतोष शर्मा अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ गोंदिया विराजित रही। मेघ-मल्हार कार्यक्रम में मंच संचालन सौं प्रियंका अभिषेक शर्मा, सौं कविता आदेश शर्मा और सौं सुमन राजेश शर्मा ने किया।

सत्कार समारोह का मंच संचालन संस्था सचिव संतोष शर्मा ने किया तथा मेघ-मल्हार कार्यक्रम को महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा सौं अर्चना संतोष शर्मा, उपाध्यक्ष सौं प्रियंका अभिषेक शर्मा, सचिव सौं कविता आदेश शर्मा, सौं सुमन राजेश शर्मा, सौं पायल शर्मा ने संचालित किया व इनको सहयोग के लिए सौं वैदेही उपाध्याय, सौं कविता मिश्र, सौं प्रीति जोशी, सौं प्रीति शर्मा, सौं संगीता व्यास, सौं सुशीला शर्मा, श्रीमती ज्योति शर्मा ने अथक परिश्रम किया। बच्चियों एवं महिलाओं को नृत्य प्रशिक्षण सौं पायल गोपाल शर्मा ने दिया। मेघ मल्हार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सौं रंजना भीकम शर्मा, श्रीमती उमा श्यामसुंदर शर्मा, सौं सोनिया राजकुमार तिवारी, श्रीमती दुर्गा लूणकरण शर्मा उपस्थित थी। कार्यक्रम की सफलता हेतु विजय गजाधर शर्मा, अजय शर्मा (लालू) राजेश शर्मा, अंकित तिवारी, संजय शर्मा, आकाश शर्मा के साथ ही विप्र फाउंडेशन के सभी सदस्यों ने सहयोग किया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन भीकम शर्मा उपाध्यक्ष विप्र फाउंडेशन विदर्भ जोन 9 द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन संस्था सचिव संतोष शर्मा ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी विप्र बंधुओ ने महाप्रसाद ग्रहण किया। उपरोक्त जानकारी विप्र फाउंडेशन के सचिव संतोष राधेश्याम शर्मा ने दी है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस ने किया गोंदिया रेलवे स्टेशन पर बिलासपुर-येलहंका साप्ताहिक ट्रेन का भव्य स्वागत

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया रेलवे स्टेशन से बिलासपुर येलहंका बिलासपुर (18261/18262) साप्ताहिक रेल सेवा शुरू हो गई है। ट्रेन के गोंदिया स्टेशन पहुंचने पर सांसद प्रफुल पटेल एवं सांसद राजेंद्र जैन के मार्गदर्शन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने ट्रेन का भव्य स्वागत किया।

26 अगस्त से शुरू हुई यह साप्ताहिक ट्रेन प्रत्येक बुधवार शाम 6.15 बजे बिलासपुर से रवाना होकर गोंदिया पहुंचेगी। इसके बाद यह बल्लारशाह मार्ग से येलहंका की ओर जाएगी। वहीं येलहंका से वापसी के दौरान बल्लारशाह चांदाफोर्ट मार्ग से यह ट्रेन गुरुवार रात 9.50 बजे गोंदिया पहुंचेगी। इस रेल सेवा के शुरू होने से गोंदिया जिले के यात्रियों, व्यापारियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों तथा आम नागरिकों को काफी सुविधा मिलने की उम्मीद है। दक्षिण भारत की ओर यात्रा करने वाले जिले के यात्रियों के लिए यह ट्रेन महत्वपूर्ण साबित होगी। ट्रेन का लाभ मिलने पर यात्रियों और नागरिकों ने सांसद प्रफुल पटेल एवं सांसद राजेंद्र जैन के प्रति आभार व्यक्त किया। ट्रेन के स्वागत अवसर पर देवेंद्रनाथ चौबे, नानू मुदलियार, राजू एन. जैन, भगत ठकरानी, लक्ष्मीकांत रोचवानी, विष्णू शर्मा, सोनू राय, लोकेश यादव, जयंत कच्छवाह, योगेश दर्वे, हरिराम आसवानी, दिनेश गेडाम, सी.बी. बिसेन, सचिन अवस्थी, नागो बन्सोड, लखन बहेलिया, विक्रांत मिश्रा, शैलेश वासनिक, पाशा शेख, क्षितिज जांगड़े, शरभ मिश्रा, हर्षवर्धन मेश्राम, प्रशांत सोनपुरे, रवि रामटेक्कर, बंटी चौबे, रमेश कुरील, वर्षा बैस, सोनल मेश्राम, अशोक चुटे, प्रदीप लांजेवार, श्रेयश खोब्रागड़े सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, नागरिक एवं यात्री उपस्थित रहे।

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...
सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा
मुळव्याध (बवासीर), फिशर भगंदर व अन्य गुदारोग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र
• कमर का दर्द • घुटनों का दर्द
• पिठ का दर्द • गर्दन व कंधों का दर्द
• आमवात, गठीया वात एवं सायटिका
• अत्याधुनिक सुविधा युक्त पंचकर्म चिकित्सा कक्ष
• शास्त्रशुध्द एवं गुणवत्तायुक्त स्वनिर्मीत औषधियों का प्रयोग
• रोगी एवं व्याधी अनुरुप पंचकर्म सुविधा
डॉ. अपर्णा खोब्रागडे
B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक
7620340356
साकेत पब्लिक स्कुल रोड़, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

उप अधिक्षक भुमी अभिलेख, गोंदिया यांचे कार्यालय

नवीन प्रशासकिय इमारत, दुसरा माळा, जयस्तंभ चौक,
गोंदिया (महा.) कार्यालय दुरध्वनी क्र. 07182-236087
वाचा - मा. जिल्हाधिकारी गोंदिया यांचे दिनांक
30 डिसेंबर 2014 रोजी आयोजित दिलेला निर्देशा प्रमाणे..

जाहिरनामा

श्री प्रमोदकुमार शिवगोपाल तिवारी व ईतर रा. गोंदिया ता.जि. गोंदिया मौजा, गोंदिया नझुल शिट क्र. 20 न.भु.क्र. 30/5 जागे वरील धारक श्रीमती गायत्री शिवगोपाल तिवारी व श्री सुबोध शिवगोपाल तिवारी हे मय्यत झालेने खालील प्रमाणे वारसान आहेत. **1. श्रीमती संध्या सुबोध तिवारी, श्री साकेत सुबोध तिवारी, 3. कु. साक्षी सुबोध तिवारी।** सदर जाहिरनामा देण्याबाबद ज्यांना उजर/तक्रार अथवा आक्षेप घ्यावयाचे असतील त्यांनी या कार्यालयास पंधरा दिवसांचे आत मुदत पर्यंत लेखी कळवावे, त्यानंतर आलेल्या अर्जावर विचार करण्यात येणार नाही। याची नोंद घ्यावी।

दिनांक 25.08.2026
ठिकाण - गोंदिया।

अजय सु. शिरसागर
उप अधीक्षक भुमी अभिलेख गोंदिया

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com